छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 85 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 28 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद 10 किमी का दायरा कंटेनमेंट क्षेत्र घोषित

मुर्गा-मुर्गी, चिकन व अंडे की बिक्री पर लगा प्रतिबंध, पुलिस व प्रशासन की निगरानी बढ़ी

छ.ग.फ्रंटलाइन बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बर्ड फ्लू की आधिकारिक पुष्टि के बाद कोनी स्थित कुक्कुट पालन केंद्र से लेकर 10 किलोमीटर के क्षेत्र को जिला प्रशासन ने कंटेनमेंट क्षेत्र घोषित कर दिया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने एक आदेश जारी कर कंटेनमेंट इलाके में मुर्गा-मुर्गियों,अंडा व चिकन की खरीदी-बिक्री को बैन कर दिया है, घरों से भी इनकी जब्ती बनाई जा रही है, और उसे नष्ट किया जा रहा है। चिकन सेंटरों पर पुलिस व प्रशासनिक अमले की पैनी नजर है।

कंटेनमेंट इलाके में प्रशासनिक अमला लगातार दबिश के साथ लोगों को समझाइश दे रहा है कि, चिकन व अंडा अगर खा रहे हैं तो अभी ना खाएं व ना ही खरीदी-बिक्री करें। कोनी स्थित शासकीय कुक्कुट प्रक्षेत्र में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि होने के बाद चिकन और अंडों की बिक्री पर 10 किलोमीटर के दायरे में रोक लगा दी है। शहरी इलाकों में नगर निगम और ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन-खाद्य विभाग की टीम घूम-घूमकर पोल्ट्री फार्म, होटलों और चिकन दुकानों को बंद करा रहे हैं। चिकन सेंटर के अलावा मुर्गी पालन कर रहे निजी संचालकों को भी खरीदने व बेचने पर रोक लगा देने के कारण तकरीबन 60 लाख रुपये नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है। बीते पांच दिनों में इतने का झटका लगा है। बर्ड फ्ले की पुष्टि के बाद जानमाल की सुरक्षा के लिए कलेक्टर ने एक आदेश जारी कर होटलों और रेस्टोरेंट्स में भी चिकन और अंडों के उपयोग और बिक्री पर रोक लगा दी है, जिसकी निगरानी खाद्य विभाग कर रही है।

निगरानी के लिए नौ टीमें सक्रिय

पशुपालन विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. जीएसएस. तंवर ने बताया, संक्रमित क्षेत्र के अलावा आसपास के 10 किलोमीटर के दायरे में चिकन और अंडे की खरीद-बिक्री पूरी तरह बैन कर दिया है। निगरानी रखने के लिए 4-4 सदस्यों की 9 अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जो लगातार क्षेत्र में निगरानी रखी जा रही है। नगर निगम के शहरी क्षेत्र के साथ ही सेंदरी, मोपका, तोरवा, लालखदान, राजकिशोर नगर, तिफरा, सकरी, उसलापुर और तारबाहर समेत आसपास के क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

एक किलोमीटर क्षेत्र में कड़ी निगरानी

संक्रमित केंद्र के 1 किलोमीटर के दायरे में विशेष निगरानी रखी जा रही है। इस क्षेत्र में चिकन और अंडों की खरीदी-बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि 10 किमी के बाहर से भी चिकन या अंडे लाने पर कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बताया, कोनी के 10 किलोमीटर के दायरे में चिकन और अंडों की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है, ये नियम होटलों के लिए भी है। निगरानी के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई है। शहर के सभी इलाकों में चिकन सेंटर व होटलों की भी निगरानी की जा रही है। कलेक्टर ने लोगों से अपील करते हुए कहा है, संक्रमण को देखते हुए चिकन और अंडों की खरीददारी न करें।

बारिश से मौसम हुआ खुशनुमा, तेज हवा के साथ तड़की बिजली

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर/भटगांव। प्रदेश में मार्च के महीने से गर्मी की शुरुआत हो गई है, तापमान में भी उतार-चढ़ाव हो रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को सरगुजा संभाग में बदली और धूप की आंखमिचौली के बाद अचानक मौसम करवट लिया, और आकाशीय गर्जना होने लगी, धूल भरी तेज हवाओं के कारण राहगीरों के कदम थम गए। दोपहिया चालक भी विवश होकर धूल से बचने हवाओं के थमने का इंतजार कर रहे थे। इसके साथ हुई कुछ देर की बारिश ने मौसम को तर कर दिया। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को ओड़िशा के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से प्रदेश के कुछ जगहों पर तेज हवा के साथ ही गरज-चमक के साथ बारिश हुई है। ऐसी स्थिति आगे भी बने रहने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार ओडिशा के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है, जिसकी वजह से शुक्रवार को प्रदेश के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज हवा और हल्की बौछारें पड़ी है। इसके साथ ही दक्षिण छत्तीसगढ़ में बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवा का मिलाप मौसम में बदलाव का कारण है। मार्च अप्रैल और मई का महीना प्री मानसून का माह कहलाता है। इस बीच गरज-चमक और बारिश के साथ तेज हवा सामान्य गतिविधि होती है। कुछ जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना रहती है। मौसम को देखते हुए आने वाले तीन-चार दिनों तक अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने और अधिकतम तापमान में कमी आने की संभावना है।

भटगांव में मुख्य चौक पर एसईसीएल का स्वागत द्वार गिरने से बड़ा हादसा टला

संभाग के सूरजपुर जिला में दोपहर बाद अचानक बदले मौसम और तेज आंधी ने पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मचा दी। भटगांव के सबसे व्यस्त और प्रमुख माने जाने वाले रविशंकर त्रिपाठी चौक पर लगा विशाल स्वागत द्वार तेज हवा के दबाव को सह नहीं पाया और सड़क पर गिर पड़ा। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं होने से लोगों ने राहत की सांस ली। घटना दोपहर करीब 3.30 से 4 बजे के बीच की बताई जा रही है। चौक से आम दिनों की तरह आम लोगों और वाहनों की अच्छी-खासी आवाजाही हो रही थी। तेज आंधी चलने और धूल का गुबार उठने के कारण लोगों की आवाजाही कुछ पल के लिए थम सी गई, इसी बीच कुछ ही पलों में स्वागत द्वार तेज हवा के झोंको में हिलने लगा, लोग कुछ समझ पाते, इसके पहले आंधी की तेज रफ्तार के बीच जोरदार आवाज के साथ स्वागत द्वार का पूरा ढांचा सड़क पर गिर गया।

स्थानीय दुकानदार के अनुसार 'तेज हवा के साथ स्वागत द्वार अचानक हिलने लगा और कुछ ही सेकंड में गिर पड़ा। अगर उस समय कोई वाहन या राहगीर इसकी चपेट में आ जाता तो गंभीर हादसा हो सकता था। एक अन्य राहगीर का कहना था कि 'गेट गिरते ही आसपास मौजूद लोगों के बीच डर से भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।' घटना के बाद कुछ समय के लिए चौक पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बाधित हो गई। सूचना मिलते ही भटगांव पुलिस, एसईसीएल की टीम और नगर पंचायत भटगांव के सीएमओ राजेश कुशवाहा मौके पर पहुंचे। सभी के संयुक्त प्रयास से गिरे हुए स्वागत द्वार को क्रेन से साइड में करवाकर मार्ग को साफ किया गया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू हो गई। तेज आंधी का असर केवल इसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आसपास के इलाकों में भी पेड़ों की टहनियां टूटकर गिरने और हल्के नुकसान की खबरें सामने आई हैं। स्वागत द्वार गिरने की घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस तरह के बड़े, भारी-भरकम ढांचों की समय-समय पर जांच व मजबूती सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार के घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

वन्यप्राणी बहुल क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का प्रवेश रोकने एनटीसीए देगा एसओपी प्रशिक्षण

आवारा कुत्तों के हमले से 15 हिरणों की मौत के बाद प्रदेश स्तर तक मची है खलबली

■ प्रधान मुख्य वन संरक्षक रायपुर ने जारी निर्देश पत्र में कराया जिम्मेदारी का आभास

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा वनमण्डल के संजय वन वाटिका में आवारा कुत्तों के हमले से 15 हिरणों की मौत के बाद प्रदेश स्तर तक हलचल मची हुई है। इस घटना के बाद अंबिकापुर से लगे खैरबार जंगल के पास भी आवारा कुत्तों ने जंगल से भटककर गांव में पहुंचे हिरणों पर हमला किया था, जिसमें से एक की मौत हो गई थी। एक हिरण जिसे ग्रामीणों ने कुत्तों से बचाकर सुरक्षा की दृष्टि से वन अमले के सुपुर्द किया था, उसकी मौत संजय वन वाटिका में हुए कुत्तों के हमले में हो गई थी। वन वाटिका में हुई बड़ी घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश स्तर से उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन भी किया गया है। इधर कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव प्रबंधन एवं जैव विविधता संरक्षण व मुख्य वन्यजीव वार्डन रायपुर अरूण कुमार पाण्डेय ने पत्र जारी करके वन्यप्राणी बहुल क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का प्रवेश रोकने के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा तैयार मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए तत्संबंध में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सभी मुख्य वन संरक्षक क्षेत्रीय, मुख्य वन संरक्षक वन्यजीवन, क्षेत्रीय निदेशक गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टायगर रिजर्व व मुख्य वन संरक्षक, प्रोजेक्ट एलीफेंट सरगुजा अंबिकापुर के नाम जारी विभागीय पत्र में सरगुजा वनमण्डल के अंबिकापुर में स्थित संजय वन वाटिका में 20 एवं 21 मार्च 2026 की रात आवारा कुत्तों के प्रवेश से 15 वन्यप्राणियों की मौत का हवाला देते हुए कहा गया है कि राज्य के टायगर रिजर्व के समस्त उप निदेशक एवं क्षेत्रीय अधिकारियों को आगामी दो सप्ताह के अंदर एनटीसीए के द्वारा जारी एसओपी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यही कार्रवाई राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारण्यों में भी लागू होगी।

पालतू कुत्तों को विशेष रंग का पहानएंगे पट्टा

प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने बारनवापारा अभ्यारण्य की तर्ज पर पालतू कुत्ता पालने वालों को विशेष रंग का पट्टा पहनाने हेतु निर्देशित करने कहा गया है। साथ ही सचेत किया गया है कि पालतू कुत्ते वन क्षेत्र के इर्द-गिर्द पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं वन क्षेत्रों के समीप के गांवों में कुत्तों का प्रवेश को रोकने के लिए जागरूकता पोस्टर, बैनर और बैठकों का आयोजन करने कहा गया है, ताकि वन्यजीवों को रैबीज जैसी बीमारियों और हमलों से बचाया जा सके। आवारा कुत्तों को पकड़ने के दौरान एनिमल वेलफेयर बोर्ड इंडिया के प्रावधानों का पालन करने की भी हिदायत दी गई है।

जीआईएस मैपिंग सहित अन्य कार्ययोजना

प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने स्पष्ट किया है कि वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए आवारा कुत्तों के प्रवेश पर नियंत्रण जरूरी है। इसके लिए सभी वनमंडलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के लिए ग्रामवार, समयबद्ध कार्यक्रम तैयार करने की हिदायत दी गई है, ताकि वन्यप्राणियों पर होने वाली ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। इसका उद्देश्य वन्यजीवों में बीमारियों के प्रसार और वन्यजीवों, विशेषकर शावकों को होने वाली शारीरिक क्षति या मृत्यु को रोकना है। टायगर रिजर्व के मामले में फिल्ड डायरेक्टर स्थानीय प्राधिकारी होंगे। राज्य स्तर पर मुख्य वन्यजीव वार्डन जिम्मेदार होंगे।

तकनीकी मार्गदर्शन हेतु बनेगी समिति

आवारा कुत्तों से निपटने तकनीकी मार्गदर्शन हेतु एक समिति बनाई जाएगी, जिसमें पशु चिकित्सा विभाग के पशु चिकित्सक, स्थानीय एनजीओ एवं पशु कल्याण संगठन के प्रतिनिधि, पंचायत के प्रतिनिधि शामिल होंगे। उप निदेशक/डीएफओ अध्यक्ष होंगे। प्रस्तावित मैदानी कार्रवाई के तहत फेरल कुत्तों की आवाजाही वाले क्षेत्रों का जीआईएस मैपिंग किया जागा। इसके बाद प्रबंधन रणनीति तैयार करेगा। वहीं आवारा कुत्तों को पकड़ने में हैंड तकनीक, सैक एंड लूप, बटरफ्लाई नेट और बालिनीज पोल नेट का उपयोग किया जाएगा। पकड़े गए कुत्तों को सुरक्षित वाहनों में ले जाया जाएगा, जिससे वे आपस में न लड़ें। वाहनों को उपयोग से पहले और बाद में कीटाणुरहित किया जाएगा।

ग्रामीणों ने जांच को सवालों के घेरे में लिया, शिक्षा का मंदिर हुआ शर्मसार

छ.ग.फ्रंटलाइन चांदो/कुसमी। बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत नवाडीह कला (बरवाही पारा) स्थित प्राथमिक, माध्यमिक शाला में छात्रा के साथ दुर्व्यवहार का मामला अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। पहले जहां प्रधान पाठक द्वारा बच्ची पर पानी उड़ेलने का मामला सामने आया था, वहीं अब जांच के दौरान नए और गंभीर आरोप छात्रों के द्वारा उक्त शिक्षक पर लगाए गए हैं। बच्ची पर पानी उड़ेलने का मामला सुर्खियों में आने और शिकायत मिलने के बाद शिक्षा विभाग ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की। टीम शुक्रवार को स्कूल पहुंची, जहां पालक, ग्रामीण एवं शिकायतकर्ता की मौजूदगी में पंचनामा तैयार किया गया और जांच प्रतिवेदन बनाकर विभाग को सौंपा गया।

जांच में नया खुलासा-जांच के दौरान मामला तब और गंभीर हो गया जब टीम के सामने दो बच्चों ने शिक्षक अशोक प्रसाद गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए। एक बच्चे ने आरोप लगाया कि उसे सजा के तौर पर मध्यान्ह भोजन की थाली में पहले पेशाब करने मजबूर किया गया, फिर उसी थाली में खाना खाने को कहा गया।डर से वह उसी थाली में खाना खा लिया। वहीं दूसरे बच्चे ने शिक्षक पर लात से मारपीट करने का आरोप लगाया है। इन आरोपों ने पूरे मामले को और संवेदनशील बना दिया है।

ग्रामीणों और अभिभावकों के आरोप-ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि जांच के दौरान आरोपी शिक्षक अशोक प्रसाद गुप्ता मौके पर मौजूद थे और जांच में हस्तक्षेप कर रहे थे। बच्चों के बयान और वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान भी उन्होंने वीडियो बनाने से रोकने की कोशिश की। पंचनामा सौंपते समय जांच दल के दो अधिकारी मौके पर नहीं थे। यह भी आरोप है कि जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने और मामले को भटकाने का प्रयास किया गया।

सरगुजा में 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' आज से, 30 राज्यों के 144 रेसलर्स दिखाएंगे दमखम

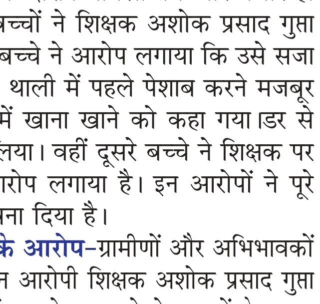

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले का हृदय स्थल अम्बिकापुर एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने जा रहा है। देश के पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' की मेजबानी कर रहे छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में 28 मार्च से कुश्ती (रेसलिंग) स्पर्धा का भव्य शुभारंभ होने जा रहा है। गांधी स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय समागम में देश के अलग-अलग राज्यों के जनजातीय खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा और शारीरिक कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

देशभर की प्रतिभाओं का जुटेगा महाकुंभ-इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश, झारखंड, असम, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, मेघालय, गुजरात, ओडिशा, मिजोरम, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और मेजबान छत्तीसगढ़ सहित कुल 144 रेसलर्स (पुरुष एवं महिला) हिस्सा ले रहे हैं। यह आयोजन जनजातीय युवाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने की दिशा में एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करेगा।

चार दिवसीय रोमांच, 3 चरणों में होंगे मुकाबले-28 मार्च से शुरू होकर 31 मार्च तक चलने वाले इन मुकाबलों को प्रतिदिन तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए सुगमता बनी रहे, प्रथम चरण-प्रातः 08 बजे से 09 बजे तक, द्वितीय चरण-प्रातः 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक, तृतीय चरण-सायं 04 बजे से खेल समाप्ति तक

डीडी स्पोर्ट्स पर लाइव प्रसारण-इस भव्य आयोजन को 'भारत के जनजातीय खेल, छत्तीसगढ़ मा सुंदर मेल' की प्रेरणादायी टैगलाइन के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। खेल प्रेमियों के उत्साह को देखते हुए व्यापक तैयारियां की गई हैं। गौरव की बात यह है कि इस आयोजन का सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स और प्रसार भारती पर किया जाएगा, जिससे दुनिया भर के दर्शक सरगुजा की धरती पर हो रहे इस महाकुंभ को लाइव देख सकेंगे।

तैयारियां पूर्ण, खिलाड़ियों का स्वागत-खेल विभाग द्वारा खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन, चिकित्सा और सुरक्षा के प्रबंध किए गए हैं। सरगुजा अब अपनी पारंपरिक संस्कृति के साथ-साथ देश को नई खेल ऊर्जा देने के लिए तैयार है।

वन अधिकारियों पर गाड़ी चढ़ाने की धमकी देने वाले वाहन चालक के विरूद्ध केस दर्ज

शिकायत पर रेंजर ने किया था दिहाड़ी श्रमिक के रूप में कार्यरत वाहन चालक को कार्यमुक्त

छ.ग.फ्रंटलाइन शंकरगढ़। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के शंकरगढ़ में वन परिक्षेत्र सहायक ने विभागीय वाहन चालक के द्वारा शराब के नशे में गालीगलौज और अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करते हुए गाड़ी चढ़ा देने की धमकी देने संबंधी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। वन परिक्षेत्र सहायक रामप्रताप राही 52 साल, निवासी ग्राम सरगवां, थाना पस्ता ने पुलिस को बताया है कि वन विभाग में दैनिक श्रमिक के रूप में कार्यरत अनिल गुप्ता पिता स्व. शिवनारायण गुप्ता 42 वर्ष, निवासी गुटराडीह, कुसमी, वर्तमान ठिकाना विशुनपुर, अंबिकापुर गोरसीडबरा, कभी-कभी उनके यहां खाना खाता था। बाद में उन्होंने वाहन चालक को अपने से खाना बनाकर खाने के लिए कहा था, इसी बात को लेकर वह चिढ़ा रहता था। शंकरगढ़ में स्थित वन विभाग के कार्यालय में जब भी वे रामनगीना राम के साथ रहते तो अनिल गुप्ता शराब के नशे में दोनों को 13 जनवरी 2026, 06 फरवरी 2026, 11 फरवरी 2026 एवं 17 फरवरी 2026 को बहुत बड़े अधिकारी बनते हो, कहते हुए जातिगत शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज करने लगता और देख लेने, गाड़ी चढ़ा देने की धमकी देने लगता। इसी तरह अन्य कर्मचारियों से भी अभद्र व्यवहार करना उसकी आदत में शुमार हो गया था। इससे व्यथित होकर सभी कर्मचारियों ने संघ के माध्यम से पूर्व में रेंजर शंकरगढ को लिखित में आवेदन देकर इसे कार्य से पृथक करने का आग्रह किया गया था। इसके बाद रेंजर ने अनिल गुप्ता को 25.02.2026 को कार्य से पृथक कर दिया है। आरोप है कि काम से पृथक होने के बाद अनिल गुप्ता के द्वारा मीडिया ग्रुप में अनर्गल बातें साझा की जा रही है, जिससे उन्हें व अन्य कर्मचारियों के बीच प्रताड़ना जैसी स्थिति बन रही है। इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देने के बाद वन परिक्षेत्र सहायक ने मामले को पुलिस के संज्ञान में लाया है। मामले में पुलिस ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(अं) 351(2) का मामला दर्ज कर लिया है।

महानवमी पर मंदिरों में दिनभर गूंजते रहे जयकारे, भक्ति में डूबा पूरा कोयलांचल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। चैत्र नवरात्रि के समापन दिवस महानवमी और भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर कोयलांचल क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं और पूरा क्षेत्र जय माता दी और जय श्रीराम के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।महानवमी के दिन क्षेत्र के प्रमुख देवी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, दुर्गा सप्तशती पाठ, हवन और कन्या पूजन का आयोजन विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ।

देवी धाम आदिशक्ति मां समलेश्वरी महामाया मंदिर, स्वयंभू मां कालरात्रि मंदिर केनापारा, बलरामपुर खदान के मां काली मंदिर और महावीरपुर संजयनगर कालीघाट मंदिर, सिलफिली-लटोरी के मध्य पासंग नाला के पास स्थित महामाया मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। श्रद्धालुओं ने नौ छोटी कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनके चरण धोए, तिलक लगाया, पूजन किया और उन्हें भोजन व उपहार देकर आशीर्वाद लिया। कई स्थानों पर भंडारों का आयोजन किया गया, जहां सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। ज्ञात हो कि राम नवमी के अवसर पर दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर बस स्टैंड में विशेष पूजा-अर्चना और भव्य राम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। दोपहर के शुभ मुहूर्त में जैसे ही भगवान श्रीराम के जन्म की घोषणा हुई, पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। श्रद्धालु यहां पर भए प्रकट कृपाला, दिन दयाला कौशल्या हितकारी का वाचन किया गया।

प्रशासन और मंदिर समितियों द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए थे।

महतारी वंदन योजना बनी सहारा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम रघुनाथनगर की निवासी श्रीमती मानकुंवर के जीवन में महतारी वंदन योजना ने एक सकारात्मक बदलाव लाया है। इस योजना के अंतर्गत उन्हें प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है, जो उनके लिए एक मजबूत सहारा बन गई है।

पहले जहां घर की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करना भी चुनौतीपूर्ण होता था, वहीं अब इस नियमित सहायता राशि से श्रीमती मानकुंवर अपने परिवार की आवश्यकताओं को सहजता से पूरा कर पा रही हैं। राशन, बच्चों की जरूरतें और दैनिक खर्च जैसे कार्यों में यह राशि उनके लिए काफी मददगार साबित हो रही है। केवल घरेलू खर्च ही नहीं, बल्कि खेती के समय भी यह राशि उनके लिए उपयोगी सिद्ध होती है। बीज, खाद और अन्य कृषि कार्यों में वह इस पैसे का उपयोग कर अपने खेतों की देखभाल बेहतर तरीके से कर रही हैं। इससे उनकी खेती में भी सुधार आया है और उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद बढ़ी है। श्रीमती मानकुंवर बताती हैं कि यह योजना उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में भी सहायक रही है। अब वे आर्थिक रूप से पहले की तुलना में अधिक सशक्त महसूस करती हैं और परिवार की जिम्मेदारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

कोयला सचिव का बिश्रामपुर दौरा अपरिहार्य कारणों से टला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी के आगामी दिनों होने वाले बिश्रामपुर प्रवास की तैयारियों का जायजा लेने कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सनोज कुमार झा का 27 मार्च को बिश्रामपुर प्रवास स्थगित हो गया है। प्रबंधन कोयला सचिव के प्रवास को लेकर पिछले एक सप्ताह से तैयारियों में जुटा हुआ था, इसी दौरान गुरुवार देर रात कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव का दौरा स्थगित होने की जानकारी प्रबंधन को मिली। बताया जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को लेकर पेट्रोलियम और ऊर्जा संकट से निपटने मंत्रालय स्तर पर लगातार बैठकें चल रही है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने सरकार हर स्तर पर जरूरी उपाय के लिए तैयार है। संभवत: इन्हीं व्यस्तताओं के बीच कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव का प्रवास फिलहाल टल गया है। अब आगे परिस्थितियों के हिसाब से उनका दौरा कार्यक्रम नए सिरे से तय होने की जानकारी प्रबंधकीय सूत्रों ने दी है।

शराब पीकर चला रहा था ट्रक, लोगों ने पकड़ पुलिस को सौंपा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एनएच 43 में शराब पीकर सरिया लोड ट्रक चलाने वाले शराबी वाहन चालक को पकड़ जयनगर पुलिस ने आरोपी चालक धर्मेंद्र यादव पिता सुखदेव यादव 29 वर्ष निवासी धरसेडी थाना ओड़गी के खिलाफ एमवी एक्ट की कार्यवाही की है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को दोपहर बाद एनएच 43 में अंबिकापुर से सूरजपुर की ओर आ रही सरिया लोड ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीजी 9304 का चालक शराब पीकर वाहन चला रहा था। इस दौरान उसके वाहन के अनियंत्रित होने से कई राहगीर बाल बाल बच गए।

कार सवार युवक ने ट्रक चालक की स्थिति देख जयनगर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने वाहन को सूरजपुर जाते समय जयनगर थाने के समीप रोक लिया। पुलिस ने वाहन चालक का तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण कराया, जिसमें उसके द्वारा शराब सेवन कर लोड भारी वाहन चलाने की पुष्टि हुई। पुलिस उसे एमएलसी के बाद थाने से उसे छोड़ कर वाहन जब्त कर लिया है।

पुलिस ने ट्रक और चालक के मोबाइल को जब्त कर आरोपित के खिलाफ एमवी एक्ट की कार्यवाही कर मामले को न्यायालय पेश कर दिया है।

दीपका खदान में श्रमिक की संदिग्ध मौत

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। एसईसीएल की दीपका खदान में एक युवा श्रमिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और साथी ड्राइवरों ने कलिंगा कंपनी के गेट पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे खदान का काम पूरी तरह ठप हो गया है और क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

मृतक की पहचान अण्डीकछार निवासी जुरखन जांगड़े (32 वर्ष) के रूप में हुई है, जो कलिंगा कंपनी में कार्यरत था। बताया जा रहा है कि वह मंगलवार रात करीब 9:30 बजे सेकंड शिफ्ट में ड्यूटी पर पहुंचा था, जहां संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही बुधवार सुबह से परिजनों और सहकर्मियों में भारी आक्रोश देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी के मुख्य द्वार पर जाम लगाकर विरोध जताया, जिसके चलते खदान का काम प्रभावित हो गया।

परिजनों ने आरोप लगाया है कि मामले को दबाने के लिए कुछ बिचौलिए सक्रिय हैं और परिवार पर समझौते का दबाव बनाया जा रहा है। उनका कहना है कि उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि लिखित रूप में न्याय और अधिकार चाहिए।

प्रदर्शनकारियों की मांग है कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए, परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी दी जाए, घटना की निष्पक्ष जांच हो और खदान में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जाए।

वहीं दीपका थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर हालात को संभालने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

16 लीटर महुआ शराब जब्त, दो महिलाएं गिरफ्तार

कांकेर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अवैध महुआ शराब के कारोबार पर सख्त प्रहार करते हुए सिटी कोतवाली पुलिस ने उजियारा अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। ग्राम सुभिया मुडपार में अलग-अलग घरों पर दबिश देकर पुलिस ने 16 लीटर देशी महुआ शराब बरामद कर दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई ने इलाके में अवैध शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा दिया है।

पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत मिली पुख्ता सूचना पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो स्थानों पर छापेमारी की। पहले मामले में अंजू कुलदीप के घर से 10 लीटर महुआ शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब 1200 रुपये आंकी गई। वहीं दूसरी कार्रवाई में माधुरी यादव के घर से 6 लीटर महुआ शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत 720 रुपये बताई गई। इस तरह कुल 16 लीटर अवैध शराब, जिसकी कीमत 1920 रुपये है, पुलिस ने जब्त की।

पुराना महापौर बंगला बनेगा ईडी का दफ्तर, नगर निगम की एमआईसी ने दी मंजूरी

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राजधानी रायपुर में अब प्रवर्तन निदेशालय पुराना महापौर बंगला बनेगा ईडी का दफ्तर, नगर निगम की एमआईसी ने दी मंजूरी) का पता बदलने वाला है। शहर के सुभाष स्टेडियम के पास स्थित पुराना महापौर बंगला अब श्ष्ठ का दफ्तर बनेगा। दरअसल ईडी ने अपने रीजनल ऑफिस के लिए करीब 4000 स्क्वायर फीट जगह मांगी थी। इसके बाद नगर निगम की स्थ्रष्ट बैठक में खाली पड़े पुराने महापौर बंगले को ईडी को देने का फैसला लिया गया।

पुराना महापौर बंगला काफी समय से खाली पड़ा है, लेकिन अब इसमें रौनक लौटेगी। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के लिए भी एमआईसी की बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। कोटा मुक्तिधाम के सामने बने सामुदायिक भवन को अस्थायी ऑफिस के तौर पर देने की मंजूरी दी गई है।

महापौर मीनल चौबे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शहर के प्रशासनिक कामकाज को और बेहतर बनाने के लिए कई अहम फैसले लिए गए। अब साफ है कि रायपुर में जांच एजेंसियों और प्रशासन की पकड़ और मजबूत होने जा रही है। इस मामले में नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने कहा कि एमआईसी की बैठक में चर्चा हुई है। सुभाष स्टेडियम के पास स्थित पुराने महापौर बंगले को अब ईडी दफ्तर के लिए दिया जाएगा।

नया कार्यालय बनते तक दिया गया है बंगला : महापौर

महापौर मीनल चौबे ने बताया कि ईडी का नया कार्यालय नया रायपुर में बन रहा है। सुभाष स्टेडियम के फर्स्ट फ्लोर में जो ईडी ऑफिस है वह छोटा हो रहा है, जिसके चलते पानी टंकी के नीचे वाला सरकारी मेयर हाउस कुछ दिन के लिए ईडी को दिया जा रहा है. जैसे ही नया रायपुर में ईडी का कार्यालय पूरी तरीके से तैयार हो जाएगा तब ईडी ऑफिस वहां शिफ्ट हो जाएगा. तब तक के लिए यह बंगला उन्हें दिया जा रहा है. एमआईसी की बैठक में भी इसकी चर्चा हुई थी।

फ्री ट्रेनिंग से नौकरी का मौका

सारंगढ़-बिलाईगढ़, छ.ग. फ्रंटलाइन। दसवीं, बारहवीं और आईटीआई पास युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर सामने आया है। जिले में 1 अप्रैल से शुरू हो रहा निशुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को सीधे नौकरी से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े अलाइन पाठ्यक्रमों और लॉन्ड्री ऑपरेशंस स्किल डेवलपमेंट के तहत यह प्रशिक्षण पूरी तरह व्यावहारिक और रोजगारोन्मुख होगा। खास बात यह है कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान आवास, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को भी बराबरी का अवसर मिल सके।

निरीक्षण में सख्त कलेक्टर, देरी और लापरवाही पर सीधी चेतावनी

सारंगढ़-बिलाईगढ़, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में चल रहे बड़े निर्माण कार्यों की रफ्तार और गुणवत्ता पर कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को विभिन्न परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि तय समय-सीमा में काम पूरा नहीं हुआ तो लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन नवीन कलेक्ट्रेट भवन, जिला अस्पताल और नालंदा परिसर सहित कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का जायजा लिया। कलेक्ट्रेट परिसर के निरीक्षण में उन्होंने पब्लिक टॉयलेट की लोकेशन पर आपत्ति जताते हुए उसे हटाकर बाहर जनरल टॉयलेट बनाने के निर्देश दिए। साथ ही जिला पंचायत, एसडीएम और तहसील कार्यालय भवन निर्माण में तेजी लाने के लिए मजदूरों की संख्या बढ़ाने को कहा।

खेलभाठा क्षेत्र में जर्जर ट्राइबल हॉस्टल के पुनर्निर्माण कार्य को मई तक पूरा करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। वहीं मैदान में बन रहे स्टेज निर्माण को 20 दिनों में पूरा करने और सुरक्षा के लिए रेलिंग लगाने के निर्देश भी दिए गए।

चंदई में बन रहे नए जिला अस्पताल के कार्य की प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताई और इसे तेजी से पूरा करने के साथ ही आसपास के अतिक्रमण हटाने के निर्देश एसडीएम को दिए। स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भवन को 30 मई तक पूर्ण करने की समय-सीमा तय की गई।

टीसीपीसी रानीसागर में निर्माणाधीन नालंदा परिसर को लेकर कलेक्टर ने इसे दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने का लक्ष्य दिया और परिसर के सामने आकर्षक गार्डन विकसित करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर का साफ संदेश रहा कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई अब स्वीकार नहीं होगी। तय समय-सीमा, गुणवत्ता और जवाबदेही के साथ काम पूरा करना ही प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे जनता को समय पर बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

डॉ. परदेशीराम वर्मा की कहानियों का हो रहा रूसी, अंग्रेजी और उर्दू अनुवाद

भिलाईनगर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सुप्रसिद्ध साहित्यकार, छत्तीसगढ़ के भिलाई नगर निवासी डॉ. परदेशी राम वर्मा की कहानियों का रूसी, अंग्रेजी और उर्दू में अनुवाद हो रहा है ।यह अनुवाद कार्य नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. वर्मा को हिन्दी के विद्यार्थियों के बीच अपनी कहानियों पर व्याख्यान के लिए इस महीने की पंद्रह और सोलह तारीख़ को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया गया था, जहाँ उन्हें 'लेखक से मिलिए 'कार्यक्रम में विद्यार्थियों और फ्रेंच, अंग्रेजी,रुसी और उर्दू के शोधार्थियों के बीच जाकर अपनी कहानियों पर बात करने और उनसे भी बहुत कुछ जानने - सीखने का अवसर मिला। उन्होंने अपनी कहानियों के रूसी, अंग्रेजी और उर्दू अनुवाद के सन्दर्भ में हिन्दी के विद्यार्थियों के बीच व्याख्यान दिया । उनकी अधिकांश कहानियाँ छत्तीसगढ़ की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित हैं । छात्र -छात्राओं ने बड़ी गंभीरता से उनका व्याख्यान सुना । डॉ. परदेशीराम वर्मा ने विश्वविद्यालय के लोहित छात्रावास में विद्यार्थियों से मुलाकात की। विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मलखान सिंह ने पहले दिन के आयोजन में डॉ. परदेशी राम वर्मा द्वारा सम्पादित पत्रिका 'नव आगमन ' के संत कवि पवन दीवान पर केंद्रित विशेषांक का विमोचन किया । इसकी प्रतियाँ शोध छात्र -छात्राओं को वितरित की गईं। इस आयोजन में एम.ए.के विद्यार्थी और शोध छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे। डॉ. वर्मा के साथ उनकी बिटिया श्रीमती स्मिता वर्मा और नीतीश भी मौजूद रहे । छत्तीसगढ़ के चार विद्यार्थियों ने भी आयोजन में अपनी उपस्थिति दी, जिनमें जांजगीर के तन्मय कश्यप,बिलासपुर की श्रेया सिंह यादव, रायपुर की श्रावणी वर्मा और बिलासपुर के मिलिंद साहू शामिल थे। डॉ. परदेशी राम वर्मा ने कहा कि सुदूर दिल्ली के इस विश्वविद्यालय में छत्तीसगढ़ के मेधावी बच्चों से मुलाकात यादगार रही।

पानी, सफाई और सड़क के लिए 195 करोड़ की मंजूरी

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ के शहरों में बुनियादी सुविधाओं को नई रफ्तार मिलने जा रही है। केंद्र सरकार ने 15वें वित्त आयोग के तहत करीब 195 करोड़ रुपए जारी किए हैं, जिससे पेयजल, स्वच्छता और आधारभूत ढांचे के विकास कार्यों को तेज़ी मिलेगी और शहरी जीवन स्तर में सुधार देखने को मिलेगा।

केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी 194 करोड़ 93 लाख रुपए की यह राशि राज्य के 139 नगरीय निकायों में खर्च की जाएगी। इसमें 116 करोड़ 96 लाख रुपए टाइड ग्रांट के रूप में दिए गए हैं, जिनका उपयोग मुख्य रूप से पेयजल आपूर्ति और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों में होगा। इससे शहरों में साफ-सफाई व्यवस्था मजबूत होगी और नागरिकों को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बेहतर हो सकेगी।

वहीं 77 करोड़ 97 लाख रुपए अनटाइड ग्रांट के रूप में दिए गए हैं, जिनका उपयोग सड़क, नाली और अन्य आधारभूत संरचनाओं के विकास में किया जाएगा। इससे शहरों में बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता सुधरेगी और नागरिकों को रोजमर्रा की सुविधाओं में राहत मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने इस पहल को शहरों के समग्र विकास की दिशा में अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर शहरी क्षेत्रों को सुव्यवस्थित, स्वच्छ और सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार संसाधन उपलब्ध करा रही हैं, जिससे विकास कार्यों में गति आई है। यह वित्तीय मदद सिर्फ बजट नहीं, बल्कि शहरों के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक मजबूत पहल है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि इन संसाधनों का उपयोग कितनी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ जमीन पर दिखाई देता है।

कोण्डागांव की टीम ने किया शैक्षणिक भ्रमण

सुकमा,छ.ग. फ्रंटलाइन। सुकमा जिले में ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत हो रहे कार्यों ने अन्य जिलों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में, 13 और 14 मार्च 2026 को जिला पंचायत कोण्डागांव की 8 सदस्यीय टीम ने सुकमा जिले का दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान टीम ने सुकमा के विकास की गाथा को करीब से देखा और यहाँ की नवीन कार्यप्रणालियों को अपने जिले में भी लागू करने की इच्छा जताई।

पहले दिन का अनुभव- छिंदगुड़ और झींगा पालनभ्रमण के पहले दिन, टीम ने विकासखंड छिंदगढ़ के ग्राम कनकापाल में संचालित 'छिंदगुड़ निर्माण' गतिविधि का अवलोकन किया। स्व-सहायता समूह की महिलाओं (दीदियों) ने न केवल निर्माण प्रक्रिया की जानकारी दी, बल्कि टीम को इसका स्वाद भी चखाया। इस अनूठी पहल से प्रभावित होकर कोण्डागांव टीम ने इसे अपने जिले में भी शुरू करने की योजना बनाई। शाम को टीम ने मुरतोण्डा में झींगा पालन गतिविधि का जायजा लिया।दूसरे दिन का भ्रमण: नवाचार और सेवा एक्सप्रेसदूसरे दिन की शुरुआत विकासखंड कोंटा के बुरकापाल में आम प्लांटेशन के अवलोकन से हुई। इसके बाद टीम ने 'सेवा एक्सप्रेस' अभियान के तहत चिंतलनार क्लस्टर के 12 कैडर्स/पीआरपी से मुलाकात की। नवाचार की सराहना कोण्डागांव टीम ने 'सेवा एक्सप्रेस' को एक अभिनव प्रयास बताते हुए इसे अपने जिले में अपनाने के लिए विशेष जिज्ञासा दिखाई। आजीविका और आय लंच के बाद मरईगुडा वन क्षेत्र में समूह द्वारा संचालित मिर्च और कपास की खेती देखी गई। यहाँ समूह की दीदियों ने बताया कि वे लगभग 2 लाख रुपये का कपास और 3 लाख रुपये का धान बेच चुकी हैं, जबकि मिर्च की फसल से 1.50 लाख रुपये की अतिरिक्त आय संभावित है।विकास की नई गाथाजिला पंचायत सुकमा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला मिशन प्रबंधक सत्य प्रकाश तिवारी निरंतर टीम के साथ रहे। भ्रमण के अंत में कोण्डागांव की टीम ने सुकमा जिले के विकास कार्यों और यहाँ के प्रशासनिक सहयोग की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

ओलावृष्टि व असामयिक वर्षा से फसल क्षति, 72 घंटे में सूचना देकर लें बीमा लाभ

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में हाल ही में हुई ओलावृष्टि एवं असामयिक वर्षा से फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए कृषकों से अपील की गई है कि वे समय पर सूचना देकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्षतिपूर्ति का लाभ अवश्य प्राप्त करें।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार रबी मौसम वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिन अधिसूचित ग्रामों के किसानों ने फसल बीमा कराया है और उनकी फसल ओलावृष्टि या असामयिक वर्षा से प्रभावित हुई है, वे किसान अपनी क्षति की सूचना 72 घंटे के भीतर बीमा कंपनी को देना सुनिश्चित करें। इसके लिए किसान अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से टोल फ्री नंबर 14447 एवं 18004190344 पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकते हैं। बताया गया है कि समय सीमा के भीतर सूचना दर्ज कराने पर ही बीमा दावा मान्य होगा, जिससे कृषकों को प्राकृतिक आपदा से हुई क्षति की भरपाई मिल सकेगी।

उपमुख्यमंत्री ने 4.08 करोड़ रूपए की लागत के सकरी नदी तटबंध निर्माण का किया भूमिपूजन

नदी में तटबंध निर्माण से सुरक्षित होंगे घर - उपमुख्यमंत्री शर्मा

ग्राम कोडार में 250 मीटर तटबंध का होगा निर्माण

तटबंध से रुकेगा कटाव और ग्रामीणों को मिलेगी बाढ़ से सुरक्षा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। सकरी नदी में कटाव को रोकने और ग्रामीणों को बाढ़ से सुरक्षा देने के उद्देश्य से आज ग्राम कोडार में 4.08 करोड़ रुपए की लागत से 250 मीटर लंबे तटबंध निर्माण कार्य का भूमिपूजन उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया। इस महत्वपूर्ण परियोजना से ग्राम कोडार के नदी किनारे बसे मकान सुरक्षित होंगे, कटाव की समस्या पर नियंत्रण मिलेगा और ग्रामीणों को निस्तारी की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम रेगाखार पंचायत के आश्रित ग्राम कोडार में आयोजित कार्यक्रम में विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सकरी नदी के किनारे लगातार हो रहे कटाव से ग्रामीणों को लंबे समय से परेशानी हो रही थी, जिसे ध्यान में रखते हुए इस तटबंध निर्माण की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि 250 मीटर लंबा यह तटबंध न केवल नदी के कटाव को रोकेगा, बल्कि बाढ़ के दौरान पानी के दबाव से होने वाले नुकसान को भी कम करेगा। इससे नदी किनारे बसे घर सुरक्षित रहेंगे और लोगों को बार-बार होने वाले नुकसान से राहत मिलेगी। साथ ही, नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों के लिए निस्तारी की सुविधाएं भी बेहतर होंगी। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम में 142 आवास स्वीकृत किए गए हैं और सर्वे सूची में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराया जा चुका है। सरकार ने अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके और गांवों का समग्र विकास हो सके। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी इस योजना को क्षेत्र के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे किसानों और आम ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने भी इस पहल पर खुशी जताते हुए शासन और उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। तटबंध निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद सकरी नदी के किनारे बसे ग्राम कोडार के लोगों को कटाव और बाढ़ की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी, जिससे उनके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नितेश अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, संतोष पटेल, विजय पटेल, वीरसिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में एक दूजे के हुए 324 जोड़ों

चोपन/सोनभद्र। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गुरुवार को रेलवे फुटबॉल मैदान, चोपन में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के कुशल पर्यवेक्षण में कुल 324 जोड़ों का विवाह उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया, जिसमें 322 हिन्दू एवं 2 मुस्लिम जोड़े शामिल रहे। विकास खंडवार भागीदारी में चोपन से 77, कोन से 65, दुद्धी से 68, म्योरपुर से 59 तथा बभनी से 55 पात्र जोड़े शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान वैवाहिक रस्में विधि-विधान से संपन्न कराई गईं और समारोह स्थल पर उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

मिनीमाता साइंस कॉलेज में मोबाइल से नकल करते कॉलेज के परीक्षार्थीयों को पकड़ा उड़नदस्ता दल ने

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

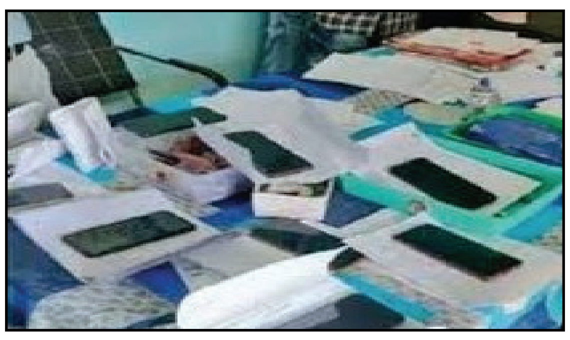

बिलासपुर। मिनीमाता साइंस कॉलेज में परीक्षार्थी मोबाइल के जरिए सामूहिक नकल करते पकड़ गए। यूनिवर्सिटी ने बतौर सजा परीक्षा केंद्र को निरस्त कर दिया है। इस केंद्र के स्टूडेंट्स अब राजीव गांधी गर्वनमेंट कॉलेज में परीक्षा दिलाएंगे। अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी बिलासपुर के उड़नदस्ता दल ने जब कॉलेज में दबिश दी, तो वहां का नजारा देखकर टीम दंग रह गई। छात्र बेखौफ मोबाइल से नकल कर रहे थे। टीम ने 9 छात्रों को मोबाइल के साथ रंगे हाथों पकड़ा। इसके बाद दूसरी पाली रजिस्ट्रार डॉ. तारणीश गौतम और परीक्षा नियंत्रक रामेश्वर राठौर ने छापा मारा, इस दौरान एक छात्र ब्लूटूथ के जरिए नकल करते पकड़ा गया।

जिम्मेदार मिले गायब

जांच के दौरान यूनिवर्सिटी द्वारा नियुक्त वरिष्ठ केंद्राध्यक्ष विवेक साहू, कॉलेज की केंद्राध्यक्ष और प्राचार्य सभी मौके से गायब मिले। क्लास में ड्यूटी कर रहा पर्यवेक्षक कॉलेज स्टाफ न होकर बाहरी व्यक्ति मिले। वरिष्ठ केंद्राध्यक्ष विवेक साहू ने सफाई दी, वे छुट्टी पर थे और इसकी सूचना प्राचार्य को दे दी थी।

दुसरे केंद्र में देंगे परीक्षा

मिनी माता कॉलेज लोरमी परीक्षा केंद्र के 213 छात्र अब 28 मार्च की परीक्षा शासकीय राजीव गांधी कॉलेज लोरमी में देंगे। विश्वविद्यालय इन छात्रों के लिए नए एडमिट कार्ड जारी कर रहा है। छात्रों को निर्देशित किया गया है, वे नया प्रवेश पत्र डाउनलोड करें और बदले हुए केंद्र पर समय से पहुंचें।

यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार का क्या है कहाना

अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. तारणीश गौतम ने कहा, उड़नदस्ता दल ने 9 मोबाइल जब्त किए हैं। उड़नदस्ता दल के सामूहिक नकल की रिपोर्ट के आधार पर परीक्षा केंद्र को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। यूनिवर्सिटी ने अब कॉलेज प्रबंधन से 7 बिंदुओं पर जानकारी मांगी है, जिसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

राज्य की जेलों मे एकाएक बढ़ा कैदियों की मौत का आंकड़ा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। जेलों में बंद कैदियों की मौत की संख्या छत्तीसगढ़ में एकाएक बढ़ गई है। चौकाने वाले एक आंकड़ा सामने आया है जिसमे एक जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 तक की अवधि में ही 33 कैदियों ने अस्वस्थ होकर दम तोड़ दिया। इनमें से दस कैदी अकेले बिलासपुर केंद्रीय जेल के हैं। जेलों में कैदियों को चिकित्सा सुविधा देने का नियम है। हर जेल में अस्पताल और डॉक्टरों की ड्यूटी भी रहती है, इसके बाद भी बीमार होकर कैदियों के दम तोड़ने का सिलसिला जारी है। खास बात यह है कि ज्यादातर कैदियों को विभिन्न जेलों से आंबेडकर अस्पताल रायपुर शिफ्ट किया गया था और यही इलाज के बीच मौत हो गई। सर्वाधिक दस कैदियों की मौत के साथ बिलासपुर केंद्रीय जेल टॉप पर है, जबकि दूसरे नंबर पर दुर्ग केंद्रीय जेल है, जहां एक साल में 8 कैदियों ने दम तोड़ा है। इसके अलावा अंबिकापुर केंद्रीय जेल में पांच कैदियों की जान चली गई है। जगदलपुर और गरियाबंद में दो- दो कैदियों तथा धमतरी, बलरामपुर, मुंगेली, कोरबा, रायगढ़, कांकेर में एक- एक मौतों की सूचना जेल विभाग के पास है। इनमें सबसे हैरानी की बात यह है कि मृत कैदियों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने में बहुत देरी हो रही है। हाल यह है कि दुर्ग के एक कैदी की मौत 27 फरवरी 2025 को हुई थी, मगर उसकी पीएम रिपोर्ट जेल विभाग को अब तक नहीं मिली है। 33 में से 20 कैदियों की पोस्ट मार्टम रिपोर्ट अस्पताल से जेल विभाग तक नहीं पहुंची है। जेल के कैदियों की मौतों के बाद संदिग्ध प्रकरणों की दंडाधिकारी जांच भी करवाई जा रही है, जिनमें से किसी की रिपोर्ट अभी नहीं मिली है। बिलासपुर जेल की बात करें तो यहां विचाराधीन महिला कैदी सुमित्रा तिवारी, सिद्धार्थ सिदार, सोनाऊराम यादव, इमरान कुरैशी, दशरथ, भांकर जांगड़े, भारदा प्रसाद, छेदू उर्फ मथुरा, राजेंद्र डहरिया और दिनेश यादव ने दम तोड़ा है। इनमें से ज्यादातर की मौत का कारण मेडिकल ही बताया गया है, वहीं कुछ की पीएम रिपोर्ट और दंडाधिकारी जांच की रिपोर्ट जेल विभाग को नहीं मिली है। केंद्रीय जेल दुर्ग में बंद बरातीराम लोधी, अनवर हुसैन, लक्ष्मण साहू, मनिराम, दिनेश देशमुख, संपत राम देवांगन, मुकुंद राव और विनय प्रताप की मौतों की रिपोर्ट जेल विभाग में दर्ज है। यह भी उल्लेखनीय है कि ज्यादातर कैदियों की मौत के पीछे किडनी खराब होने, हार्ट का रोग अथवा सभी महत्वपूर्ण अंगों के काम नहीं करने को कारण बताया गया है। अंबिकापुर केंद्रीय जेल में बंद दिला उर्फ दिलराम, होलसाय नागवंशी, मुगुल राम, जीत लाल और बुधराम पंडो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में सचिव ने दिए खाद-बीज की कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्यपाल के सचिव एवं सहकारिता सचिव सी.आर. प्रसन्ना खरीफ सीजन की तैयारियों, उर्वरक की निर्बाध आपूर्ति, बीज की उपलब्धता और बेमौसम बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा की गई। कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए और किसानों को राहत और बीमा क्लेम का त्वरित रूप से दिलाने के निर्देश दिए गए। सूरजपुर जिले के प्रभारी सचिव सी.आर. प्रसन्ना की अध्यक्षता में आज जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में कृषि विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर एस. जयवर्धन, संयुक्त कलेक्टर पुष्पेन्द्र शर्मा, एस.डी.एम. अजय मोड़ियम, उपसंचालक कृषि सुश्री सम्पदा पैकरा सहित कृषि विभाग से सम्बद्ध विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उर्वरक भंडारण की समीक्षा और खरीफ तैयारी

प्रभारी सचिव प्रसन्ना बैठक में पूर्व वर्षों में उर्वरकों की मांग और आपूर्ति की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली गई तथा वर्तमान खाद भंडारण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। प्रभारी सचिव ने आगामी खरीफ सीजन 2026-27 के लिए जिले में गुणवत्तायुक्त खाद एवं बीज की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रासायनिक उर्वरक का पर्याप्त भंडारण किया जाए और रैक पॉइंट से आवंटित खाद का जिले में समय पर भंडारण सुनिश्चित हो।

कालाबाजारी और जमाखोरी पर कड़ा रुख

प्रभारी सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समितियों में भंडारण व्यवस्था की नियमित समीक्षा की जाए। खाद एवं बीज निरीक्षकों द्वारा बीज व खाद दुकानों तथा समितियों का नियमित भौतिक निरीक्षण किया जाए, ताकि कालाबाजारी और जमाखोरी जैसी स्थिति पर पूर्णतः अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि खाद का वितरण नियमानुसार हो और केवल पात्र किसानों को ही खाद व बीज उपलब्ध कराया जाए, जिसके लिये उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से कार्ययोजना बनाने और क्रियान्वयन की बात कही।

डीजल पर एक्साइज ड्यूटी समाप्त, पेट्रोल पर 10 रु की कटौती - केंद्र सरकार के फैसले का मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। केंद्र सरकार द्वारा डीजल को एक्साइज ड्यूटी से मुक्त करने और पेट्रोल पर 10 रु प्रति लीटर की कटौती करते हुए एक्साइज ड्यूटी को मात्र 3रु प्रति लीटर करने के निर्णय का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वागत किया है। उन्होंने इसे देश के 140 करोड़ नागरिकों को सीधी राहत पहुंचाने वाला ऐतिहासिक और जनहितकारी कदम बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस निर्णय से देश के प्रत्येक परिवार, किसान, श्रमिक और मध्यमवर्ग को व्यापक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट के इस दौर में भी केंद्र सरकार द्वारा आम नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ न बढ़ने देना एक बड़ी संवेदनशील पहल है, जो आमजन के जीवन को सीधे प्रभावित करेगी। मुख्यमंत्री साय ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए छत्तीसगढ़ की समस्त जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्णय ले रही है। यह फैसला प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और देशवासियों के प्रति समर्पण का सशक्त उदाहरण है।

जशपुर-सन्ना मार्ग के मजबूतीकरण के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर 8 करोड़ रुपए की मिली स्वीकृति

वनांचल क्षेत्र में सड़क विकास से आवागमन, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगा बड़ा संबल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निदेर्शानुसार एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जशपुर-सन्ना मार्ग के विभिन्न हिस्सों के मजबूतीकरण कार्य को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण से विशेष रूप से वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को व्यापक लाभ मिलेगा। राज्य शासन द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल इस कार्य हेतु जशपुर-सन्ना मार्ग के किमी. 32/10, 33/2, 33/6-10, 34/2-4-6 एवं 41/10 से 52/10 तक कुल 12.498 किलोमीटर लंबाई के सड़क खंड के सुदृढ़ीकरण के लिए 8 करोड़ 4 लाख 40 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

ग्रामीणों को मिलेगा सुगम आवागमन की सुविधा

इस सड़क के मजबूत होने से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को वर्षभर सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। बरसात के मौसम में जहां पहले आवागमन बाधित होता था, अब वहां निरंतर संपर्क बना रहेगा। इससे ग्रामीणों को दैनिक जीवन में आने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। सड़क की बेहतर स्थिति से किसानों को अपनी उपज को समय पर बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी। परिवहन लागत कम होगी और फसल खराब होने की संभावना भी घटेगी। इससे किसानों को बेहतर दाम मिलने के साथ उनकी आय में वृद्धि होगी। साथ ही स्थानीय व्यापार और छोटे व्यवसायों को भी गति मिलेगी।

सामाजिक और आर्थिक विकास में साबित होगा मील का पत्थर

इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण से विद्यार्थियों को स्कूल और कॉलेज पहुंचने में सुविधा होगी, जिससे शिक्षा में निरंतरता बनी रहेगी। वहीं, आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को अस्पताल तक समय पर पहुंचाना आसान होगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ तेजी से मिल सकेगा। निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही सड़क बनने के बाद परिवहन और अन्य सेवाओं से जुड़े रोजगार भी बढ़ेंगे। यह परियोजना क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी। यह सड़क केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की एक मजबूत कड़ी साबित होगी। इससे वनांचल क्षेत्रों का शहरी क्षेत्रों से बेहतर संपर्क स्थापित होगा, जिससे शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी तेजी से अंतिम छोर तक पहुंच सकेगा। इस प्रकार जशपुर-सन्ना मार्ग का सुदृढ़ीकरण कार्य क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

निजी अस्पताल की नर्स पर दिन-दहाड़े चाकू से हमला, पीड़िता को अस्पताल में कराया गया भर्ती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। ड्यूटी जा रही नर्स पर बदमाश ने चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने यह हमला प्रदेश के उद्योग मंत्री के बंगले के पास किया। बदमाश ने चाकू से नर्स की पीठ पर हमला किया, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला। इस घटना के बाद युवती गंभीर हालत में जमीन पर गिर गई। राहगिरों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी और युवती को जख्मी हालत में ही जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता निजी अस्पताल की लैब में नर्स है। घटना सीएसईबी चौकी क्षेत्र के अंतर्गत पंप हाउस डी बंगला रोड स्थित मंत्री के बंगले के पास की है। पीड़िता की शिकायत के मुताबिक आज (शुक्रवार) लगभग 10:30 बजे युवती रोज की तरह अपने घर से पैदल निहारिका स्थित लैब जा रही थी। इसी दौरान पंप हाउस रोड के मंत्री बंगले के पास बाइक सवार दो बदमाश पहुंचे और पीछे से पीठ पर चाकू से हमला कर दिए। घटना के बाद दोनों युवक मौके से फरार हो गए। हमला इतना जबरदस्त था कि नर्स की पीठ पर ही चाकू फंसा रह गया। युवती चीख-पुकार करने लगी। राहगिरों ने खून से लथपथ युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया और इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद सीएसईबी चौकी प्रभारी भीमसेन अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और फरार आरोपियों की तलाश शुरू की गई। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस मौके पर लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाल रही है। पुलिस ने घटना को लेकर मीडिया से कहा कि पीड़िता का उपचार चल रहा है। बाइक सवार बदमाशों की तलाश की जा रही है। आरोपी घटना के बाद से फरार है। पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दोनों के पकड़े जाने के बाद ही पता चल पाएगा कि आरोपियों ने घटना को क्यों अंजाम दिया था।

सम्पादकीय

ऊर्जा आत्मनिर्भरता हासिल करना हो अगला कदम

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध भड़कने के बाद एक बात पूरी दुनिया को समझ में आ गई है कि अब उन्हें अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए 'आउट ऑफ बॉक्स' सोच की जरूरत है। इस युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा चर्चा का रुख निर्णायक रूप से आत्मनिर्भरता की ओर मोड़ दिया है। यूरोप, यूनाइटेड किंगडम और जापान जैसे देशों ने अपने घरेलू ऊर्जा स्त्रोतों को सुरक्षित करने की दिशा में कदम तेज कर दिए हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने चेतावनी दी है कि यह व्यवधान लंबा खिंच सकता है और संरचनात्मक रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। आपूर्ति में कमी और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का असर बाजारों पर संघर्ष खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बना रह सकता है। इसी परिदृश्य में भारत भी ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में अपने प्रयास तेज कर रहा है। शायद यही हमारे लिए सबसे अच्छा विकल्प भी है। अधिक आक्रामक तरीके से ड्रिलिंग करने की मौजूदा पहल 2025 और 2026 की शुरुआत से ही गति पकड़ चुकी थी, जिसे अब भू-राजनीतिक दबावों ने और तेज कर दिया है। इस बदलाव का सबसे स्पष्ट संकेत ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) से मिला है, जिसकी हालिया पहल दिखाती है कि भारत अब केवल इरादों से आगे बढ़कर बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन की दिशा में बढ़ रहा है। ओएनजीसी द्वारा लगभग 20 अरब डॉलर का वैश्विक टेंडर जारी कर गहरे समुद्र में ड्रिलिंग रिग्स किराए पर लेने का फैसला भारत की अपस्ट्रीम रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इस योजना का विशाल आकार और केवल 80 दिनों में रिग्स जुटाने की शर्त भारत के अन्वेषण इतिहास में शायद ही कभी देखी गई तत्परता को दर्शाती है। यह कार्यक्रम उत्पादन वाले और नए (फ्रंटियर) दोनों तरह के बेसिन को कवर करता है। ओएनजीसी कृष्णा-गोदावरी बेसिन में गतिविधि बढ़ा रहा है और साथ ही अंडमान के अल्ट्रा-डीपवॉटर क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रहा है, जिन्हें लंबे समय से संभावनाशील लेकिन कम खोजे गए क्षेत्र माना जाता रहा है। बीपी, एक्सॉनमोबिल, टोटलएनर्जीज और पेट्रोब्रास जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ साझेदारी यह दर्शाती है कि भारत जटिल समुद्री क्षेत्रों में तेजी से परिणाम पाने के लिए तकनीक और विशेषज्ञता आयात करने को तैयार है। यह केवल ड्रिलिंग गतिविधि का विस्तार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक उछाल है। डीपवॉटर अन्वेषण महंगा और अनिश्चित होता है, लेकिन इसमें बड़े भंडार मिलने की संभावना होती है, जो भारत के ऊर्जा संतुलन को बदल सकती है। अरबों डॉलर का निवेश यह दिखाता है कि ऊर्जा सुरक्षा अब राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुकी है। सरकार अब रसोई गैस (एलपीजी) पर निर्भरता कम करने के लिए एथेनॉल का इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए एथेनॉल बेस्ड कुकिंग स्टोव (चूल्हे) बनाने पर काम हो रहा है। हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी बेहद शुरुआती चरण में है। सोलर एनर्जी और इलेक्ट्रिक व्हीकल का इस्तेमाल बढ़ाना भी इस दिशा में अहम कदम हो सकता है। हालांकि इसमें भी समस्या सप्लाई चेन की ही है। हम ईवी के लिए अभी बड़े पैमाने पर चीन व अन्य देशों पर निर्भर हैं। ऐसे में ऊर्जा सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भता ही सर्वोत्तम विकल्प है। वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में जब दुनिया सप्लाई चेन के लिए एक-दूसरे पर आश्रित हो गई है तो भी जरूरी है कि ऐसे स्त्रोतों का विविधीकरण करके किसी एक पर ही निर्भर न रहा जाए।

आर्थिकी

सतीश सिंह

कमजोर और कमतर होता रुपया

> इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 92 के स्तर पर था। 1947 में एक डॉलर की कीमत 4 रुपये थी, जो 2022 में घटकर 80 रुपये हो गई और अब यह कमजोर होकर 93 रुपये के स्तर पर आ गया है। केवल 3 वर्षों में रुपया डॉलर के मुकाबले 13 रुपये कमजोर हुआ है। युद्ध के कारण निवेशकों के बीच डर का माहौल है, जिससे एशियाई बाजार और भारतीय शेयर बाजार जैसे सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट आई है। हालांकि, भारत की अर्थव्यवस्था अभी मजबूत है, लेकिन यदि युद्ध जारी रहता है तो रुपये और कमजोर होंगे और भारत को कई आर्थिक स्तरों पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

बीस मार्च को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सबसे निचले स्तर 93.24 पर पहुंच गया, जो बाद में सुधरकर 93.12 के स्तर पर आ गया। इस गिरावट का कारण कच्चे तेल का बढ़ता आयात बिल और विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार से लगातार पैसा निकालना है। इस महीने की शुरुआत में रुपया 92 के स्तर पर था। 1947 में एक डॉलर की कीमत 4 रुपये थी, जो 2022 में घटकर 80 रुपये हो गई और अब यह कमजोर होकर 93 रुपये के स्तर पर आ गया है। केवल 3 वर्षों में रुपया डॉलर के मुकाबले 13 रुपये कमजोर हुआ है।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार बढ़ रही हैं। खाड़ी देशों में ईरान के हमलों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। भारत अपनी कुल जरूरत का 85% कच्चा तेल रूस, इराक, सऊदी अरब, अमेरिका और यूएई से आयात करता है, लेकिन फिलहाल अमेरिका के कारण रूस से तेल की आपूर्ति सामान्य नहीं हो पा रही है। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ रही हैं। ध्यान दें कि कच्चे तेल का भुगतान डॉलर में किया जाता है। तेल की कीमतें बढ़ने से डॉलर की मांग भी बढ़ी है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा है और रुपया कमजोर हो रहा है। तेल की कीमतें बढ़ने से हवाई यात्रा, परिवहन और जरूरी वस्तुओं की कीमतें भी भारत में बढ़ रही हैं। 22 मार्च 2026 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 709.76 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर पर था। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने की वजह से डॉलर अधिक खर्च हो रहा है, साथ ही रिजर्व बैंक रुपये को स्थिर रखने के लिए डॉलर की लगातार बिक्री कर रहा है, क्योंकि वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण भारतीय मुद्रा पर दबाव बना हुआ है। इन कारणों से 13 मार्च 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 7.052 अरब डॉलर की तेज़ गिरावट दर्ज की गई थी। उससे पहले, 6 मार्च 2026 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 11.68 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट हुई थी। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2026 के मध्य में, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 725 अरब डॉलर से अधिक के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक अनिश्चितता और डर के कारण, मार्च तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने लगभग 8 अरब डॉलर, यानी करीब 83,000 करोड़ रुपये, भारतीय शेयर बाजार से निकाल लिए हैं। रुपये के कमजोर होने के कारण, विदेशी निवेशक अपने पैसे सुरक्षित रखने के लिए भारत जैसे उभरते बाजार से पैसा निकालकर अमेरिकी बॉन्ड्स में निवेश कर रहे हैं। इस बिकवाली से रुपये कमजोर हो रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह समुद्री मार्ग है, जिसके माध्यम से दुनिया का 20 फीसदी और भारत का लगभग आधा तेल गुजरता है। ईरान और इज़राइल के बीच बढ़ते तनाव के कारण इस रूट पर आपूर्ति में बाधा का खतरा बना हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक इस समुद्री मार्ग की स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक रुपये की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। रुपये की कमजोरी के कई दुष्परिणाम हैं। इसकी कमजोर स्थिति से भारत में आयात महंगे हो

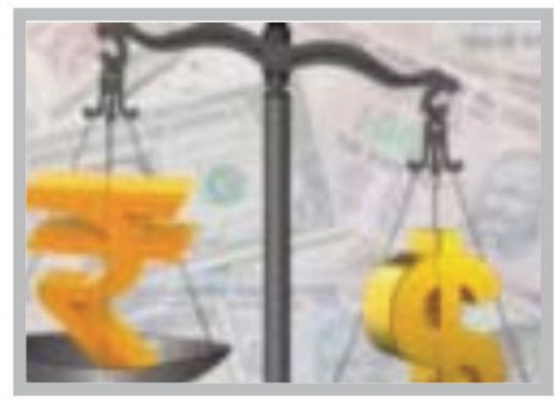

जाएंगे, जैसे क्रूड ऑयल और इलेक्ट्रॉनिक आइटम, जिनमें मोबाइल और लैपटॉप भी शामिल हैं। आयात महंगा होने से देश के चालू खाते का घाटा बढ़ेगा। जिन कंपनियों ने विदेश से कर्ज लिया है, उन्हें चुकाने के लिए ज्यादा रकम खर्च करनी पड़ेगी। इससे विदेश में पढ़ाई का खर्च भी बढ़ेगा, और यह भारत की आर्थिक विकास दर को प्रभावित कर सकता है। लगातार बढ़ती कच्चे तेल की कीमत महंगाई को बढ़ाएगी और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाएगी। इससे भारतीय रिजर्व बैंक के लिए नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करना भी मुश्किल हो जाएगा, जिससे बचत में कमी, बैंकों को सस्ती पूंजी की किल्लत, कर्ज दर में वृद्धि, आर्थिक गतिविधियों में कमी, महंगाई में वृद्धि और विकास दर में गिरावट आएगी। रुपये की कमजोरी के कुछ फायदे भी हैं, जैसे कि इससे निर्यातकों को लाभ होता है। आईटी, फार्मा और ऑप्टिकल उद्योग की कंपनियों को उनके उत्पाद या सेवाओं के लिए डॉलर में भुगतान मिलता है। जब ये डॉलर को रुपये में बदलते हैं, तो उन्हें अधिक रुपये मिलते हैं। भारत में विदेशी पर्यटकों के लिए यात्रा करना सस्ता हो जाएगा, जिससे स्थानीय पर्यटन क्षेत्र को फायदा होगा। विदेशों में काम करने वाले भारतीय अपने परिवारों को जो पैसा भेजते हैं, वह अधिक रुपये में मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक कच्चे तेल की कीमतें 110-115 डॉलर से ऊपर हैं और विदेशी निवेशक बेचवाली कर रहे हैं, रुपये कमजोर बना रहेगा। यदि वैश्विक माहौल में कोई सुधार नहीं होता, तो यह 94 के स्तर को भी पार कर सकता है।

किसी भी देश की मुद्रा का मूल्य मुख्य रूप से उसके अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग और आपूर्ति पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, यदि भारत को अधिक सामान जैसे कच्चा तेल मंगवाना हो तो उसे अधिक डॉलर की आवश्यकता होगी। इस मांग के बढ़ने पर डॉलर की कीमत बढ़ेगी और वह महंगा हो जाएगा, जिससे रुपया कमजोर हो जाएगा। मुद्रा की कीमत का निर्धारण देश की महंगाई दर, ब्याज दरें और विदेशी निवेशकों का भरोसा भी करता है। जब महंगाई कम रहेगी तो आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा और अर्थव्यवस्था स्थिर रहने पर विदेशी निवेशक भारत में निवेश करेंगे, जिससे डॉलर की आमद बढ़ेगी और रुपया मजबूत होगा। आसान शब्दों में, दुनिया में जिस मुद्रा की मांग अधिक और आपूर्ति कम होगी, उसकी कीमत भी उतनी ही अधिक होगी।

अंत में कहा जा सकता है कि रुपये की कमजोरी के फायदे कम और नुकसान ज्यादा हैं। युद्ध के कारण निवेशकों के बीच डर का माहौल है, जिससे एशियाई बाजार और भारतीय शेयर बाजार जैसे सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट आई है। वैश्विक अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक शेयर बाजार में बिकवाली कर रहे हैं, जिससे देश में निवेश घट रहा है, क्योंकि भारत में विदेशी निवेशकों का अहम योगदान है। इसके अतिरिक्त, इससे भारत में उर्वरक, तेल और रसोई गैस की कमी हो गई है। शिपिंग मार्गों में रुकावट से कई जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति पर प्रभाव पड़ा है। इन बाधाओं से महंगाई बढ़ी है, व्यापार घाटा बढ़ रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार कम हो रहा है। वर्तमान स्थिति में सरकार को उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किसानों को सब्सिडी देनी पड़ेगी, क्योंकि भारत में उर्वरक का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। इससे राजकोषीय दबाव का खतरा बढ़ रहा है। हालांकि, भारत की अर्थव्यवस्था अभी मजबूत है, लेकिन यदि युद्ध जारी रहता है तो रुपये और कमजोर होंगे और भारत को कई आर्थिक स्तरों पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

(लेखक एसबीआई मुंबई में एजीएम हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

रामनवमी पर विशेष

मुनीष भाटिया

आध्यात्मिक चेतना और दर्शन के शाश्वत प्रतीक हैं श्रीराम

मानव जीवन एक सतत यात्रा है-सत्य, प्रेम और आत्मबोध की यात्रा। इस यात्रा में राम एक मार्गदर्शक प्रकाश की तरह हमारे साथ रहते हैं। वे केवल इतिहास या ग्रंथों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के अंतर्मन में बसने वाली वह चेतना है, जो हमें सही और गलत का भेद सिखाती है। उनका नाम केवल धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक बनाने की अनुभूति है। आज का समाज अनेक विभाजनों में बंट चुका है-जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के आधार पर। इन विभाजनों ने मानवता की मूल भावना को कमजोर कर दिया है। लेकिन राम का जीवन हमें यह सिखाता है कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि सच्चा धर्म वही है, जो सबको साथ लेकर चले। शबरी के प्रेम से सिक्त बेर स्वीकार करना, निषादराज को आत्मीय मित्र बनाना और हनुमान जैसे भक्त को हृदय से लगाना-ये सभी प्रसंग यह दर्शाते हैं कि राम के लिए कोई भी ऊंच-नीच या भेदभाव नहीं था। वे समरसता और समानता के सच्चे प्रतीक हैं। राम को "मर्यादा पुरुषोत्तम" इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने जीवन के हर संबंध और हर भूमिका में मर्यादा का पालन किया। चाहे वह पुत्र के रूप में पिता के वचन का पालन हो, राजा के रूप में प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व, या एक मित्र के रूप में निष्ठा-हर स्थान पर उन्होंने आदर्श स्थापित किए। आज जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं और स्वार्थों के कारण मर्यादाओं का उल्लंघन कर रहा है, तब राम का जीवन हमें अनुशासन और संयम का महत्व याद दिलाता है। उन्होंने चौदह वर्षों का वनवास सहर्ष स्वीकार कर यह सिद्ध किया कि कर्तव्य और वचन की मर्यादा सर्वोपरि होती है। राम का जीवन इस बात का प्रमाण है कि मनुष्य अपने कर्मों और आचरण से ही महान बनता है। वे हमें यह समझाते हैं कि "पुरुष" से "पुरुषोत्तम" बनने की यात्रा बाहरी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि आंतरिक शुद्धता, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता से तय होती है। जब व्यक्ति लोभ, मोह, अहंकार और वासना जैसे बंधनों से मुक्त होकर निष्काम भाव से कर्म करता है, तभी वह अपने वास्तविक स्वरूप के निकट पहुंचता है। राम का यह संदेश हमें आत्मोन्नति की ओर प्रेरित करता है। मानव की सबसे बड़ी चुनौती उसकी अनियंत्रित इच्छाएं हैं, जो उसे भ्रम और पतन की ओर ले जाती हैं। इसके विपरीत, रावण का चरित्र यह दर्शाता है कि ज्ञान और शक्ति होते हुए भी यदि व्यक्ति अपने अहंकार और वासना पर नियंत्रण नहीं रखता, तो उसका विनाश निश्चित है। इस प्रकार राम और रावण का अंतर केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक मूल्यों का अंतर है। राम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश "निष्काम कर्म" का है- ऐसा कर्म, जिसमें फल की अपेक्षा न हो। जब व्यक्ति बिना स्वार्थ के अपना कर्तव्य निभाता है, तो वह न केवल मानसिक शांति प्राप्त करता है, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बनता है। आज का मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में इतना व्यस्त हो गया है कि उसने आंतरिक संतोष और शांति को पीछे छोड़ दिया है। राम का मार्ग हमें सादगी, संतुलन और आत्मिक संतोष की ओर लौटने का आह्वान करता है। सत्य और धर्म राम के जीवन के मूल आधार रहे हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में सत्य का साथ दिया, चाहे वह कितना ही कठिन क्यों न हो। यह हमें सिखाता है कि सच्चाई का मार्ग भले ही चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन अंततः वही स्थायी विजय का मार्ग है। इसी संदर्भ में आज के समय में राम के आदर्शों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़, प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के बीच व्यक्ति स्वयं से दूर होता जा रहा है। ऐसे में राम का जीवन हमें आत्मचिंतन की ओर प्रेरित करता है। वे सिखाते हैं कि बाहरी सफलता के साथ-साथ आंतरिक संतुलन भी आवश्यक है। यदि मन अशांत है, तो कोई भी उपलब्धि हमें संतुष्टि नहीं दे सकती। इसलिए राम का मार्ग केवल नैतिकता का ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन का भी मार्ग है। इसके अतिरिक्त, राम का जीवन नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने राजा के रूप में सदैव प्रजा के हित को सर्वोपरि रखा। आज के नेतृत्वकर्ता यदि राम के इस गुण को अपनाएं, तो समाज में न्याय और विश्वास की स्थापना हो सकती है। राम हमें यह भी सिखाते हैं कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो त्याग, सेवा और समर्पण पर आधारित हो, न कि केवल सत्ता और अधिकार पर। अंततः, राम कोई दूरस्थ आदर्श नहीं, बल्कि हमारे भीतर जागृत होने वाली वह चेतना हैं, जो हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की प्रेरणा देती है। उनका संदेश सरल है-सत्य का अनुसरण करो, धर्म का पालन करो, और मानवता को सर्वोपरि रखो। यही जीवन का सार है, और यही सच्चे अर्थों में राम को जीना है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

धैर्य के साथ करें आत्म मूल्यांकन

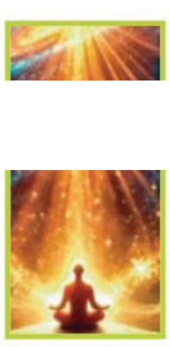

संकलित

दर्शन

प्रकृति हमेशा एक मार्गदर्शक के रूप में हमें प्रेरित व उत्साहित करती रहती है। हर पेड़, पौधे, फूल, पत्ती का एक मौन संदेश हुआ करता है और वह है कि स्वयं को निरंतर गतिमान और संतुलित रखने के लिए धैर्य चाहिए। पेड़ों पर मंजरी या बौर आने के तुरंत बाद ही तो फल नहीं आ जाता। हौले-हौले ही यह प्रक्रिया सम्पन्न होती है। माटी, हवा और पानी से जिस तरह एक पौधा धीरज रखकर खुद को पुष्पित और पल्लवित करता है, हमें भी ऐसा ही जीवन दर्शन अपनाना चाहिए। महर्षि अरविंद अपने पास आने वाले जिज्ञासु को यह मंत्र देते थे कि मनुष्य अपने सारे जीवन का वास्तुकार स्वयं ही है। हम अपनी रुचि और सोच-विचार के हिसाब से दिनचर्या तय करते हैं। अपने तौर तरीके से दिन बिताते हैं। सब सामान्य रहता है, तो हम खुश रहते हैं। लेकिन इस दिनचर्या में कुछ जरा-सा भी कुछ अनचाहा हुआ नहीं कि हम सिर पीटने लगते है। हमारा धैर्य डोल जाता है। हमारी पसंद से बने हुए जीवन की हलचल और हिचकोले हमें विचलित कर देते हैं। हम गलती से भी आत्म अवलोकन नहीं करते।हम अपनी भूमिका न देखकर किसी और पर दोष मढ़ देते हैं। ऐसा प्रदर्शित करते हैं कि इस हालत के लिए उनके अलावा सब ही जिम्मेदार हैं। आरोप लगाने और खुद साफ बच जाने के इस पल में हम चतुराई से यह सच छिपा जाते हैं कि कर्म का नियम कुछ और ही है। कर्म का सिद्धांत यह साफ कहता

विकास के द्वार बंद करता है श्रमरहित पराश्रित जीवन

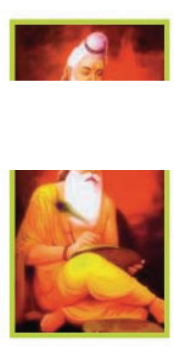

संकलित

प्रेरणा

महर्षि वेदव्यास ने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। उन्होंने उससे पूछा- हे क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? उनके प्रश्न ने कीड़े को चोट पहुंचाई और वह बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं। यहां क्षुद्र कौन है और महान कौन? क्या इस प्रश्न और उसके उत्तर की सही-सही परिभाषा संभव है? कीड़े की बात ने महर्षि को निरुत्तर कर दिया। फिर भी उन्होंने उससे पूछा- अच्छा यह बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? कीड़े ने कहा- मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे, पीछे से कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीड़े के उत्तर ने महर्षि को चौंकाया। वे बोले, तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और बेहतर शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि, मैं तो इस कीट योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूँ, परंतु ऐसे प्राणी असंख्य हैं, जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझसे भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। कीड़े की बातों में महर्षि को सत्यता नजर आई। वे सोचने लगे कि वाकई जो मानव जीवन पाकर भी देहासक्ति और अहंकार से बंधा है, जो ज्ञान पाने की क्षमता पाकर भी ज्ञान से विमुख है, वह कीड़े से भी बदतर है। महर्षि ने कीड़े से कहा- नन्हें जीव, चलो हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़ा बोला- किंतु मुनिवर श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद कर देता है। कीड़े के कथन ने महर्षि को ज्ञान का नया संदेश दिया।

शोभायात्रा में उमड़े लोग

शिमला। मंगलवार को शिमला में चल रहे नवरात्रि उत्सव के दौरान राम नवमी से पहले 'शोभा यात्रा' जुलूस में लोग भाग लेते हुए।

आज की पाती

परमात्मा बेईमानी-चालाकी सब देखते हैं

दुनिया की नजर से बचकर हम चालाकियां और बेईमानियां कर सकते हैं, लेकिन जो हमारे कर्मों का लेखा-जोखा रख रहा है, उससे हम कुछ नहीं छुपा सकते। हम सब जानते हैं कि भगवान कण-कण में विराजमान हैं, लेकिन फिर भी कुछ लोग इस अटल सच्चाई को नजरअंदाज करते हुए बेईमानी और अन्य गलत कामों को करने से परहेज नहीं करते, बेशक उन्होंने बुरे कर्मों का नतीजा भुगता ही क्यों न हो, लेकिन फिर भी वो दुनिया से नजर बचाकर बेईमानी और चालाकी करने से बाज नहीं आते। परमात्मा हमारी अंतरात्मा पर भी नजर रखता है, वो हमारी सोच, मन, मस्तिष्क में क्या चल रहा है, उसको भी देखता है। परमात्मा की नजर में हमारे कर्म रिकॉर्ड होते हैं।

- धर्मपाल रोहिल्ला, बरोदा, सोनीपत।

करंट अफेयर

ईरान में छिड़ी जंग से ज्यादा परेशान ये मुल्क

ईरान में अमेरिका और इजरायल की ओर से ताबड़तोड़ हमले हो रहे हैं। ईरान के तेल कुएं हों या फिर गैस फील्ड, सभी को अमेरिका और इजरायल ने टारगेट किया है। वहीं ईरान ने भी संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और बहरीन समेत कई ऐसे देशों पर हमले किए हैं, जहां से बड़ी संख्या में तेल और गैस की सप्लाई दुनिया भर में की जाती है। इस जंग ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी बाधित किया है, जहां से दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल कारोबार होता है। इसके चलते भारत समेत कई देशों में तेल और गैस का संकट पैदा हो गया है। इसकी वजह है कि भारत ने अपनी तेल की जरूरतों को डाइवर्सिफाई किया है। वहीं पाकिस्तान, जापान, थाइलैंड और कोरिया जैसे देशों को ज्यादा परेशानी है। एक रिपोर्ट के अनुसार खाड़ी देशों से अपनी जरूरत का सबसे ज्यादा तेल आयात पाकिस्तान करता है। इसके बाद दूसरा नंबर जापान, तीसरा थाईलैंड और चौथा साउथ कोरिया का है। इसके बाद 5वां नंबर भारत का आता है। साफ है कि ईरान में चल रही जंग से भारत के मुकाबले कहीं ज्यादा परेशान पाकिस्तान है। इस संकट के चलते एक तरफ सप्लाई पर असर पड़ा है तो वहीं कच्चे तेल के दाम भी 100 डॉलर के ऊपर लगातार बने हुए हैं।

ऑफ बीट

कई ग्लुटेन मुक्त उत्पादों में कैलोरी-शर्करा अधिक

अमेरिकी उपभोक्ता अक्सर ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों के लिए अधिक भुगतान करते हैं, फिर भी ये उत्पाद आमतौर पर ग्लुटेन युक्त विकल्पों की तुलना में कम प्रोटीन और अधिक शर्करा एवं कैलोरी प्रदान करने वाले होते हैं। वर्तमान में कई ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों में फाइबर, प्रोटीन और आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होती है। इसके अलावा, ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों में आमतौर पर ग्लुटेन युक्त अन्य उत्पादों की तुलना में अधिक शर्करा पाई जाती है। ग्लुटेन-मुक्त आहार के लंबे समय तक सेवन का संबंध 'बॉडी मास इंडेक्स' (बीएमआई) में वृद्धि और पोषण संबंधी कमियों से है। ग्लुटेन-मुक्त उत्पाद को अमेरिका में ऐसे उत्पाद के रूप में परिभाषित किया जाता है जिनमें ग्लुटेन प्रति 10 लाख में 20 भाग से कम या उसके बराबर होता है। लेकिन ग्लुटेन-मुक्त उत्पाद में बड़े पैमाने पर गेहूं, राई, जौ और कभी-कभी जई की कमी होती है, जबकि ये सभी 'रबीनॉक्सिलन' के समृद्ध स्रोत हैं जो एक महत्वपूर्ण स्टार्च रहित पॉलीसेकेराइड है। अरबीनॉक्सिलन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, जिसमें लाभकारी आंत बैक्टीरिया को बढ़ावा देना, पाचन को बढ़ाना, रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करना और संतुलित आंत माइक्रोबायोटा का समर्थन करना शामिल है।

ट्रेंड

शांति और स्थिरता पर चर्चा

राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का उपयोगी आदान-प्रदान हुआ। भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। हमने शांति और स्थिरता के प्रयासों के संबंध में संपर्क में रहने पर सहमति जताई।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

ट्रांसजेंडर विधेयक

भाजपा सरकार का ट्रांसजेंडर व्यक्ति संशोधन विधेयक ट्रांसजेंडरों के संवैधानिक अधिकारों और पहचान पर खुला हमला है। यह प्रतिगामी विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों से उनकी स्वयं की पहचान करने का अधिकार छीन लेता है, जो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का उल्लंघन है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

आईपीडी टावर की उपेक्षा

जयपुर के महिला चिकित्सालय (सांगानेरी गेट) में बन रहा आईपीडी टावर भी आज भाजपा सरकार की उपेक्षा का शिकार है। हमारी कांग्रेस सरकार ने फरवरी 2023 में इस प्रोजेक्ट का काम शुरू किया था।

- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

बिहार में अपराध

बिहार में अपराधियों का काम अब पुलिस कर रही है। दारू पीकर दरोगा किसी को भी गोली मार देता है और दरोगा का कुछ नहीं बिगड़ता। ये भ्रष्ट असामाजिक तत्व हमारे लोगों के संयम और अनुशासन को कमजोरी ना समझें।

-तेजस्वी यादव, पूर्व डिप्टी सीएम, बिहार

आपत्ति या चुनौती के समय हर व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा : सीएम योगी आदित्यनाथ

लाइन लगाने की जरूरत नहीं, घर पहुंचेगा गैस सिलेंडर: सीएम योगी

अफवाहों पर ध्यान न दें, आवश्यकता पड़ने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं

वैश्विक हालात के बीच सरकार के साथ मिलकर चलने की अपील

संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है, निर्धारित समय पर बुकिंग कराएं, सिलेंडर आपके घर पहुंच जाएगा। इसी तरह आवश्यकता होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं, फिलिंग सेंटरों पर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। कुछ लोग अफवाहें फैला कर राज्य का माहौल खराब करना चाहते हैं, अव्यवस्था फैलाना चाह रहे हैं। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

मुख्यमंत्री गुरुवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गल्फ वॉर के पहले अगर किसी के घर रसोई गैस का सिलेंडर एक महीने चलता था, तो वह आज पांचवें या छठे दिन ही सिलेंडर लेने क्यों पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि निर्धारित समय पर ही बुकिंग कराएं, आपकी बारी आने पर रसोई गैस आपके घर तक पहुंच जाएगी। सरकार ने सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जैसे पहले गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी होती थी, वैसे ही अब भी होगी। इसके लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। पेट्रोल-डीजल लेने तभी जाएं, जब आवश्यकता हो, लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है। कुछ लोगों द्वारा साजिश के तहत फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हम उतावलेपन में आकर किसी अफवाह में, दुष्प्रचार के चक्कर में पड़ते हैं तो हमारी राष्ट्रभक्ति पर लोग संदेह करेंगे। हमको यह सतर्कता रखनी होगी। हमें अपने राष्ट्रीय नेतृत्व पर विश्वास रखकर धन्यवाद देना चाहिए कि भारत में सबकुछ अच्छा है। उत्साहपूर्वक उत्सव मनाए जा रहे हैं। नवरात्रि के कार्यक्रम हो रहे हैं। कल रामनवमी है, कल 12 बजे रामजन्मभूमि पर सूर्य भगवान भी भगवान श्रीराम का राजतिलक करेंगे।

वैश्विक संकट के बीच संयम व सहयोग जरूरी है , मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ईरान-अमेरिका/इजराइल युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित है। दुनिया में हाहाकार, अराजकता, अव्यवस्था है, लेकिन भारत के अंदर हम प्रधानमंत्री मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में बेखौफ व सुरक्षित हैं, विकास यात्रा को भी बढ़ा रहे हैं। लेकिन, यह युद्ध लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति प्रभावित होगा। हमको भी मानसिक रूप से तैयार होना होगा। अफवाहों पर ध्यान नहीं देना होगा। जब आपत्ति या चुनौती आती है तो उसका मुकाबला करने के लिए हर व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा, यही सच्ची राष्ट्रभक्ति होती है। जब हम किसी भी राष्ट्रीय मुद्दे पर सरकार के साथ मिलकर काम करते हैं तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। देशहित में अगर सरकार ने कोई कदम उठाया तो हम उसके लिए खुद को तैयार करेंगे।

चैत्र नवरात्र : भक्तों ने की महागौरी की पूजा-अर्चना, मांगी सुख-समृद्धि

संवाददाता

लखनऊ। गुरुवार अष्टमी पर माता रानी के दर्शन के लिए मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। माता के महागौरी स्वरूप की पूजा अर्चना हुई। महागौरी की पूजा करने से भक्तों के हर कष्ट दूर होते हैं। मां भक्तों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। मां महागौरी को नारियल और हलवे का भोग लगाया गया। वहीं घर पर लोगों ने माता का पाठ कर पूजा अर्चना की। शनिवार को शहर में कई जगह भक्तों ने कन्या भोज का भी आयोजन किया गया। चौक स्थित काली जी मंदिर में सुबह से ही भक्तों ने बड़ी संख्या में माता रानी के दरबार पहुंच कर हाजिरी लगाई। माता को नये वस्त्र पहनाए गए। गुलाब के फूलों की माला पहनाकर श्रृंगार किया गया। वहीं ठाकुरगंज स्थित मां पूर्वी देवी में माता के महागौरी स्वरूप का श्रृंगार हुआ। माता को हरे और रानी रंग का वस्त्र पहनाए गए। श्रृंगार सामग्री माता रानी को भेंट की। प्रसाद स्वरूप फल, पेड़ा, बिन्दिया, सिन्दूर, नेलपॉलिश व मेहंदी आदि श्रृंगार का सामान भेंट किया गया। चौपटिया स्थित संतोषी माता मंदिर में माता को नारंगी रंग के वस्त्र पहनाए गए। गुड़ चना का भोग लगाया गया। वहीं संदोहन देवी मंदिर में माता ने हरे वस्त्र में शेर पर सवार होकर भक्तों को दर्शन दिए। साथ ही शीतला माता मंदिर, मसानी देवी, दुर्गा मंदिर में भी खूब भीड़ रही। चौक स्थित काली जी मंदिर के महंत ने बताया कि मंदिर में बेहद प्राचीन अष्टधातु की लक्ष्मी नारायण की मूर्ति है। जिसे नवरात्र में अष्टमी और नवमी के दिन भक्तों के दर्शन के लिए निकाला जाता है। इस तरह भक्त वर्ष में चार बार ही इस मूर्ति के दर्शन कर पाते हैं। इसके बाद यह मूर्ति मंदिर के गर्भगृह में रख दी जाती है। मान्यता है कि अष्टधातु मूर्ति के सामने जो भी मन्नत मांगी जाती है वह पूरी होती है। यही वजह है कि नवरात्र की अष्टमी और नवमी को बड़ी संख्या में भक्त दर्शन करने आते हैं। यहां दर्शन करने से गृहस्थ जीवन की हर परेशानी होती दूरः चौपटिया स्थित संतोषी माता मंदिर भक्तों की आस्था का केंद्र है। मंदिर की स्थापना करीब 72 वर्ष पूर्व हुई थी। माता को गुड़ और चने का भोग लगाने की परंपरा है। मां को खट्टा पदार्थ चढ़ाना वर्जित है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए आते हैं। संतोषी माता मंदिर प्रबंध समिति के सचिव हिमांशु जायसवाल ने बताया कि संतोषी माता गृहस्थों की देवी हैं। माता के दर्शन मात्र से मन को शांति मिलती है। मां को गुड़ चने का भोग लगाकर आराधना से संतान प्राप्तिए ऐश्वर्य और धन धान्य में वृद्धि होती है। यहां सच्चे मन से मांगी हर मुराद पूरी होती है। माता की पूजा करने से गृहस्थ जीवन की हर परेशानी दूर होती है। मंदिरों में हुआ मुण्डन संस्कारः नवरात्र में मुण्डन संस्कार का विशेष महत्व है। चौक स्थित काली जी मंदिर व सीतापुर रोड स्थित चन्द्रिका देवी आदि मंदिरों में मुण्डन संस्कार हुए। मुण्डन संस्कार के बाद लोगों ने भोज कराया। मंदिरों में हुआ भव्य श्रृंगारः नवरात्र को लेकर मंदिरों में भी धूम रही। हर कोई मां की भक्ति में लीन नजर आ रहा था।

खबर संक्षेप

आईआईटी जैम की टॉपर लिस्ट जारी

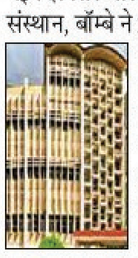

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे ने 26 मार्च को जॉइंट एडमिशन टेस्ट फॉर मास्टर्स के सभी विषयों के स्कोरकार्ड और टॉपर्स की सूची जारी कर दी है। परीक्षा में शामिल हुए उम्मीदवार अब आधिकारिक वेबसाइट पर रिजल्ट और मेरिट लिस्ट देख सकते हैं। केमिस्ट्री में आयुषी अग्रवाल ने पहला स्थान हासिल किया है।

पानीपत की फैक्ट्री में 2 चचेरे भाइयों की मौत

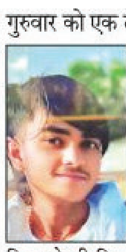

पानीपत। हरियाणा के पानीपत में गुरुवार को एक टेक्सटाइल फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया। यहां टैंक की सफाई करने उतरे 2 युवकों की जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई। दोनों बिना सेफ्टी किट के टैंक में उतरे थे। कुछ देर में ही उन पर बेहोशी छाने लगी। अन्य साथियों ने तुरंत दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक वे बेहोश हो चुके थे।

दो ट्रकों में भिड़ंत के बाद आग, 3 जिंदा जले

बांदा। महोबा-बांदा नेशनल हाईवे पर दो ट्रकों की आमने-सामने की भिड़ंत में 3 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना

सेना, नौसेना और वायुसेना के जांबाजों के लिए केंद्र का अहम फैसला

भारत सरकार ने दी वीरता पदक विजेताओं को रेलवे में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा

नई दिल्ली,

भारत सरकार ने सेना, नौसेना और वायुसेना में वीरता पदक से सम्मानित सैनिकों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस आदेश के अनुसार इन वीरता पुरस्कार विजेताओं को भारतीय रेलवे में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा प्रथम श्रेणी, सेकंड एसी या एसी चेयर कार में एक साथी के साथ उपलब्ध होगी।

भारत सरकार ने सेना, नौसेना और वायुसेना में वीरता पदक से सम्मानित सैनिकों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस आदेश के अनुसार इन वीरता पुरस्कार विजेताओं को भारतीय रेलवे में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा प्रथम श्रेणी, सेकंड एसी या एसी चेयर कार में एक साथी के साथ उपलब्ध होगी। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह रियायत देश के बहादुर जवानों के सम्मान में दी गई है। यह योजना उन सभी सैनिकों पर लागू होगी जिन्हें सेना, नौसेना या वायुसेना पदक से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार विजेताओं के जीवनसाथी भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। इसमें विधवाएं और विधुर शामिल हैं, जब तक वे पुनर्विवाह नहीं करते। इसके अतिरिक्त, अविवाहित मरणोपरांत पुरस्कार विजेताओं के माता-पिता को भी यह सुविधा प्रदान की जाएग

प्रथम श्रेणी, सेकंड एसी या एसी चेयर कार में एक साथी के साथ मिलेगी सुविधा

रक्षा अधिकारियों ने दी यह जानकारी

परिजनों को भी मिली इसमें सहूलियत

परिवारों को यात्रा में आर्थिक सहायता दी

यह कदम देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले और वीरता दिखाने वाले सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। इससे इन परिवारों को यात्रा में आर्थिक सहायता मिलेगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। भारतीय रेलवे इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेगा। यह सुविधा पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क पर मान्य होगी।

मनोबल बढ़ाएगा फैसला

कांप्लीमेंट्री लाइफटाइम रेल पास/कार्ड जारी होगा

जानकारों का मानना है कि यह कदम सशस्त्र बलों के जवानों का मनोबल बढ़ाने वाला है। यह केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि देश की ओर से उन वीरों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की परवाह नहीं की। रेलवे प्रशासन जल्द ही पात्र कांप्लीमेंट्री कॉम्प्लीमेंट्री लाइफटाइम रेल पास/कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

जीवनसाथी, विधवाएं और विधुर और पुनर्विवाह तक अब इसमें पात्र होंगे

इस योजना के तहत सेना, नौसेना और वायुसेना पदक से सम्मानित सभी व्यक्ति पात्र होंगे। पुरस्कार विजेता के जीवनसाथी, जिनमें विधवाएं और विधुर शामिल हैं, पुनर्विवाह तक पात्र रहेंगे। अविवाहित मरणोपरांत पुरस्कार विजेताओं के माता-पिता भी इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। यह सुनिश्चित किया गया है कि देश के लिए सेवा करने वाले हर पात्र व्यक्ति को यह सम्मान मिले। रक्षा मंत्रालय जल्द ही विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगा। इससे हौसला बढ़ेगा।

पहले 6 'चक्र' पुरस्कारों तक सीमित थी यह सुविधा

अब तक आजीवन मुफ्त रेल यात्रा की सुविधा केवल परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र, अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र पुरस्कार विजेताओं को मिलती थी। नए आदेश के बाद सेना, नौ सेना और वायु सेना के वीरता पदक भी इसी श्रेणी में शामिल कर लिए गए हैं। सेना के जांबाज जवानों को भारतीय रेल में मुफ्त यात्रा की सुविधा पहले भी मिलती थी। पहले आजीवन बिना किसी शुल्क का भुगतान किए रेल यात्रा की सुविधा केवल 6 वीरता पुरस्कारों से सम्मानित जवानों और उनके परिजनों को ही मिलती थी। जिंदगी भर मुफ्त रेल यात्रा की श्रेणी में पहले परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र, शौर्य चक्र, अशोक चक्र, कीर्ति चक्र के विजेता ही आते थे। भारत सरकार की ओर से जारी किए इस नए आदेश के बाद अब थल सेना, नौ सेना और वायु सेना के वीरता पदक से सम्मानित जांबाज भी इस सुविधा के दायरे में आ सकेंगे। जवानों के साथ ही उनके परिजनों को भी मुफ्त रेल यात्रा के दायरे में लाए जाने को सेना का मनोबल बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम बताया जा रहा है।

वंदे भारत में घटिया खाने का दावा

वीडियो वायरल, दही में रेंगते मिले कीड़े, प्रोवाइडर पर केस

नई दिल्ली,

तेज रफ्तार और प्रीमियम सुविधाओं के चलते अक्सर वंदे भारत सुर्खियों में रहती है, लेकिन इस बार वंदे भारत ट्रेन की सुर्खियों में रहने की वजह कुछ और है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में वंदे भारत के खाने की घटिया क्वालिटी ने यात्रियों को हैरान कर दिया है। वीडियो में वंदे भारत ट्रेन में भरोसे गए खाने की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि वंदे भारत ट्रेन में यात्री को दिए गए दही में कीड़े निकल आए। इस पूरी घटना का वीडियो सामने आते ही इंटरनेट पर हड़कंप मच गया। यह मामला सिर्फ शिकायत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों के गुस्से और तीखे रिएक्शन का बड़ा मुद्दा भी बन गया।

मामला पटना

टाटानगर का, विभाग पर 10 लाख जुर्माना

यह मामला पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस का बताया जा रहा है, जहां एक यात्री ने खाने में परोसे गए दही में कीड़े होने का दावा किया। वीडियो में भी साफ देखा जा सकता है कि दही के बाउल में छोटे-छोटे कीड़े नजर आ रहे हैं। वायरल हो रहे क्लिप में यात्री रेलवे स्टाफ को बुलाकर दही के बाउल में कीड़े होने की शिकायत की। रेलवे अधिकारी ने भी दही को करीब से देखा। इस दौरान यात्री भी इस घटना को लेकर नाराज दिखाई दिए। लोगों के नाराजगी बढ़ने के बाद रेल मंत्रालय ने एक्स पर बयान जारी कर इस मामले को गंभीरता से लिया। रेल मंत्रालय ने आईआरसीटीसी पर 10 लाख का जुर्माना लगाया है। सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख का जुर्माना लगाया।

मीडिया पर भड़का यात्रियों का गुस्सा

वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने रेलवे की व्यवस्था पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर एक यूजर कमेंट करता है दही में कीड़े मिले और अटेंडेंट कह रहा है, यह केसर है वाह। वहीं दूसरा यूजर कमेंट करता है अब तो व्हाइट केसर की नई खोज हो गई है। एक और यूजर कमेंट करता है राजधानी एक्सप्रेस का खाना इससे बेहतर है। एक और यूजर कमेंट करता है रेलवे का खाना खाने से अच्छा है, भूखे रहना। एक यूजर ने सवाल उठाते हुए लिखा एक्सपायर दही पर नया स्टिकर लगाकर बेच देते हैं। एक अन्य ने मजाक के अंदाज में लिखा, एक तो कभी जिंदगी में ट्रेन के अंदर ब्रांडेड फूड नहीं देखा, जब देखना शुरू ही हुआ था तो उसमें भी कीड़े निकल आए।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीराम दुबे आ० स्व० केदारनाथ दुबे, निवासी सत्तीपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- 02 मोहल्ला- सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 657/3 रकबा 4500 वर्गफीट भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।,

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०के०-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक माया असाटी पति महेन्द्र असाटी, जाति वैश्य, निवासी जायसवाल चित्रमंदिर के पीछे केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके नाम पर मोहल्ला - खुटेनपारा, शीट नंबर-02 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड कमांक- 378/4 रकबा 0.02 1/2 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रख कर ऋण प्राप्त करने के लिए अनापत्ति हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-02/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क०-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक महेन्द्र असाटी आ० स्व० लालमन प्रसाद असाटी, माया असाटी पति महेन्द्र असाटी, सभी जाति वैश्य, निवासी जायसवाल चित्रमंदिर के पीछे केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके नाम पर मोहल्ला- देवीगंज रोड़, शीट नंबर-02 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 448/2 रकबा 0.01 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रख कर ऋण प्राप्त करने के लिए अनापत्ति हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-02/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक माया असाटी पति महेन्द्र असाटी, महेन्द्र असाटी आ० स्व० लालमन प्रसाद असाटी, मधूर असाटी आ० महेन्द्र असाटी, मिलन असाटी आ० महेन्द्र असाटी, सभी जाति वैश्य, निवासी जायसवाल चित्रमंदिर के पीछे केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके नाम पर मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नंबर-02 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 456/7, 457/6 रकबा 1277.6 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रख कर ऋण प्राप्त करने के लिए अनापत्ति हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-02/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार कांसाबेल, जिला-जशपुर (छ०ग०)

रा०मा०क्र०-/31-27/2025-2026

ग्राम बरजोर तहसील-कासाबेल

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत बरजोर को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकुमार आ० शोभनाथ एवं अन्य 08 जाति उरांव निवासी ग्राम बरजोर, तहसील कासाबेल जिला जशपुर छ०ग० के द्वारा संहिता की धारा 178 छ० ग०भू०रा० संहिता 1959 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, कि ग्राम बरजोर में प०ह०नं० 10 में स्थित भूमि कुल ख0नं0 10 कुल रकबा 11.542 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उभयपक्षकार के नाम पर संयुक्त खाते के रूप में दर्ज है। उक्त भूमि शामिल खाता होने से शासन से लाभ नहीं ले पा रहे हैं। आवेदकगण एवं अनावेदकगण के मध्य पूर्व आपसी बंटवारा कब्जा काश्त के आधार पर बराबर-बराबर 1/2 हिस्सा खाता बंटवारा कराना चाहता है। उपरोक्तानुसार वाद भूमियों का उभयपक्षकार के मध्य खाता बंटवारा करते हुए पृथक पृथक भू अधिकार एवं ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय बी-1 प्रस्तुत किया है। जो न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त बटवारा के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वंय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दावा या आपत्ति दिनांक-01/04/2026 तक न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत समय पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
कांसाबेल, जिला-जशपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला सरगुजा

रा०प्र०क्र० /अ-20(1)/2025-20

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जन्मेजय पाण्डेय आ० स्व० राजमणी पाण्डेय, निवासी नेहरू वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके संयुक्त स्वामित्व अधिपत्य की शीट नंबर मोहल्ला गेलीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल खर कमांक 623/1, 623/2 रकबा 0.05, 0.05 एकड़ भूमि की प्रतिमा तिथि 31/03/2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दाया/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-08/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय कलेक्टर जिला-सूरजपुर छत्तीसगढ़

उपस्थिति हेतु सूचना

रा.प्र.क. 202508260100003/9-23/2024-25

बागर साय प्रति करम दयाल वगै.

जारी दिनांक 10/03/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे न्यायालय में रा.प्र.क. 202508260100003/9-23/2024-25 पक्षकार बागर साय प्रति करम दयाल वगै, निवासी ग्राम-तारकेश्वरपुर तहसील-प्रेममगर में विचाराधीन है। उपरोक्त प्रकरण में अनावेदक हरि आ. महेश्वर उस 57 वर्ष जाति तेली निवासी ग्राम-खरसूरा तहसील उदयपुर जिला सरगुजा (छ.ग.) को, नोटिस तामिल न होने से इस सूचना के माध्यम से अनावेदक हरि आ. महेश्वर उम्र 57 वर्ष जाति तेली निवासी ग्राम-खस्सूरा तहसील उदयपुर जिला-सरगुजा (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आगामी पेशी दिनांक 08/04/2026 को मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि को अनुपस्थित रहने की दशा में एकपक्षीय नियत करते हुए प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 10/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

(एस जयवर्धन)
कलेक्टर जिला-सूरजपुर

सघन चेकिंग के दौरान 04 किलो 94 ग्राम अवैध गांजा सहित अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के कुशल नेतृत्व में अपराध एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 26.03.2026 को चैत्र नवरात्रि के दृष्टिगत क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर बगिया पेट्रोल पम्प के आगे, बहद ग्राम बगिया से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक बोरी में 04 बंडलों में रखा हुआ कुल 04 किलो 94 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया।

प्रधानमंत्री को बिटिया की शादी का न्यौता देने सपरिवार पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री के घर जल्द ही शहनाई बजने वाली है। अपनी बिटिया डॉ. कंचन जायसवाल के विवाह के इस पावन अवसर को और भी यादगार बनाने के लिए मंत्री जायसवाल ने आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दिल्ली स्थित संसद भवन में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सपरिवार प्रधानमंत्री को विवाह समारोह का निमंत्रण पत्र सौंपा और अपनी बिटिया के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनका आशीर्वाद लिया।

प्रधानमंत्री के अपनत्व भरे व्यवहार परिवार हुआ भाव विभोर-एक पिता के लिए अपनी बेटी का कन्यादान सबसे बड़ा अनुष्ठान होता है। इसी भाव के साथ मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल अपनी पत्नी कांति जायसवाल, बेटी डॉ. कंचन जायसवाल और दोनों बेटे उत्तम जायसवाल और अमित जायसवाल के साथ प्रधानमंत्री के समक्ष उपस्थित हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने बेहद सरलता और आत्मीयता के साथ जायसवाल परिवार से मुलाकात की। उन्होंने बिटिया कंचन के सिर पर हाथ रखकर उसे आशीर्वाद दिया और वैवाहिक जीवन की अग्रिम शुभकामनाएँ दीं। प्रधानमंत्री के इस सहज और अपनत्व भरे व्यवहार ने पूरे जायसवाल परिवार को भाव-विभोर कर दिया।

पायलट संग जुड़ा है रिश्ता-विवाह की तैयारियाँ ज़ोर-शोर से चल रही हैं। मंत्री जायसवाल की सुपुत्री डॉ. कंचन जायसवाल का रिश्ता इंदौर के रहने वाले एक पायलट के साथ तय हुआ है। विवाह की तिथि 26 अप्रैल निर्धारित की गई है। इस हाई-प्रोफाइल शादी में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की कई नामचीन हस्तियों के जुटने की संभावना है।

> **प्रधानमंत्री जी का व्यक्तित्व**
> अद्भुत है। उनका अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण तो हम देखते ही हैं, लेकिन एक अभिभावक के रूप में उनका स्नेहिल व्यवहार दिल जीत लेने वाला है। उनसे मिला आशीर्वाद हमारी बिटिया के लिए अनमोल है।' श्यामबिहारी जायसवाल
> **स्वास्थ्य मंत्री**

आमंत्रित करेंगे वरिष्ठ नेताओं को-प्रधानमंत्री से भेंट के बाद, मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल अपनी इस दिल्ली यात्रा के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रभारी नितिन नबीन सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा के दिग्गज नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। वे व्यक्तिगत रूप से सभी वरिष्ठ नेताओं को शादी का कार्ड देकर आमंत्रित करेंगे।

स्वच्छ पेयजल से देवराजो सहित बदली पुरे गाँव की जिंदगी

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। जिले के लुण्ड्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़ौली में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने की पहल ने ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव ला दिया है। पानी की समस्या से परेशान पड़ौली गांव के लोगों को अब शुद्ध पेयजल की सुविधा मिल रही है।

पहले गांव की महिलाओं को कठिनाईयों का सामना कर दूर-दराज से पानी लाना पड़ता था, लेकिन अब हर घर में नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचने लगा है। इस योजना ने न केवल पानी की समस्या का समाधान किया, बल्कि गांव की महिलाओं के जीवन को भी पूरी तरह बदल दिया। गांव की महिला देवराजो यादव अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलाव के बारे में बताती हैं

कि उन्हें पहले कुएं और हैंडपंप से पानी लाने के लिए काफी दूर जाना पड़ता था, जिसमें समय और मेहनत दोनों ही अधिक लगते थे। दूषित पानी की वजह से बीमारियों का भी डर बना रहता था। लेकिन 'हर घर नल से जल' योजना लागू होने के बाद अब उनके घर में ही स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है, जिससे उनका दैनिक जीवन काफी आसान हो गया। पहले सुबह का अधिकांश समय परिवार के लिए पानी के इंतजाम में लग जाता था, अब घर में नल से पानी आने के बाद हम ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

अब हमें बच्चों की परवरिश, उनकी पढ़ाई-लिखाई, खेती, मजदूरी और आजीविका के अन्य कार्यों के लिए पर्याप्त समय मिल रहा है। इस सुविधा से न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य में भी सुधार देखने को मिला है। देवराजो ने इस बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

जीवन की सुरक्षा का आधार बनी पीएम जनमन आवास योजना

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति बसाहटों में पीएम जनमन योजनाओं से ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली का नया सवेरा आ रहा है। इसी कड़ी में अम्बिकापुर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत मलंगवा खुर्द निवासी भेन्दकी के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना एक बड़ा सहारा बना है। वर्षों तक कच्चे और जर्जर मकान में रहने की मजबूरी झेलने के बाद, अब उनका अपना 'पक्का घर' बनकर तैयार हो गया है।

बारिश मे परेशानी से मिली मुक्ति-अपनी पुरानी दिक्कतों को याद करते हुए भेन्दकी बताती हैं कि पहले उनका घर कच्चा था। विशेषकर बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने और दीवारों के गिरने के डर से उनकी रातें

असुरक्षित बीतती थीं। उन्होंने बताया, पक्का घर बनने से अब बहुत सुविधा हो गई है। पहले बारिश के समय बहुत दिक्कत होती थी, अब कोई परेशानी नहीं होगी।

बना जीवन की सुरक्षा का आधार-भेन्दकी का कोई सहारा नहीं है, उनके बच्चे नहीं हैं और वह घर में अकेली रहती हैं। ऐसे में सिर पर एक मजबूत छत होना उनके लिए केवल एक घर नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का आधार है।

उन्होंने भावुक होते हुए कहा, मैं घर में अकेली रहती हूँ। अब पक्का आवास बन जाने से मुझे बहुत सहारा मिल गया है।

जताया शासन के प्रति आभार-भेन्दकी ने कभी सोचा भी नहीं था कि उनका अपना पक्का मकान कभी हकीकत बन पाएगा। योजना के लाभ से अभिभूत होकर उन्होंने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि मेरा पक्का घर बनेगा, लेकिन प्रधानमंत्री जनमन योजना से यह सपना सच हो गया। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का धन्यवाद करती हूँ।

महिला पुलिसकर्मी के साथ बदसलूकी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

छ.ग. फ्रंटलाइन रायगढ़। सीपीएच चौक पर धरना प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने महिला पुलिसकर्मी के साथ दुर्व्यवहार किया और अमानवीय हरकत की। इस मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने इस हरकत का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल भी किया था। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। यह घटना 27 दिसंबर को रायगढ़ के सीपीएच चौक पर हुई थी। पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी। महिला पुलिसकर्मी से जुड़े इस संवेदनशील मामले में एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में डीएसएपी सुशांतो बनर्जी ने विशेष जांच शुरू की थी। जांच के दौरान गवाहों और तहसीलदार के सामने किए गए पंचनामा के आधार पर वीडियो बनाने वाले आरोपी की पहचान हुई। आरोपी संजय मेहर (26

साल, निवासी बिजना, तमनार) घटना के बाद से छिपा हुआ था। पुलिस ने लगातार प्रयास के बाद उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ में संजय मेहर ने बताया कि उसने अपने मोबाइल से वीडियो बनाकर अपने साथी माधव गुप्ता उर्फ माधो (40 साल, निवासी नागरामुड़ा) को भेजा था। माधव पेशे से टीवी मैकेनिक है और उसने यह वीडियो व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल कर दिया। इसके बाद पुलिस ने माधव गुप्ता को भी हिरासत में लिया। दोनों आरोपियों से घटना में इस्तेमाल दो मोबाइल जब्त किए गए। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

9 आरोपी हो चुके हैं गिरफ्तार

थाना तमनार में इस मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट की धारा 67(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया था और जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पहले ही 7 आरोपियों की पहचान हो चुकी थी। आरोपियों में मंगल राठिया, ग्राम आमगांव, चिनेश खमारी, ग्राम आमगांव, प्रेमसिंह राठिया, ग्राम आमगांव, कीर्ति श्रीवास, ग्राम आमगांव, वनमाली राठिया, ग्राम झरना, कन्हैया राठिया, ग्राम झरना, चित्रसेन साहू, ग्राम झरना हैं। ये सभी आरोपी महिला पुलिसकर्मी के साथ मारपीट, अभद्रता और लूटपाट में शामिल थे। इन्हें पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा चुका है। अब पुलिस ने 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

महिला आरक्षक के साथ हुई थी अमानवीय हरकत

गारे-पेलमा सेक्टर-1 कोयला खदान के विरोध में ग्रामीण 12 दिसंबर 2025 से सीएचपी चैक, लिबरा पर आर्थिक नाकेबंदी और धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। 27 दिसंबर 2025 को जब पुलिस और प्रशासन ने रास्ता बहाल कराने का प्रयास किया, तो भीड़ उग्र हो गई और पुलिस पर हमला कर दिया। इस हमले में कई पुलिस जवान घायल हुए। इसी दौरान कुछ लोगों ने महिला आरक्षक के साथ अमानवीय हरकत की। इस मामले में अलग-अलग घटनाओं को लेकर थाना तमनार में कुल 16 अपराध दर्ज किए गए हैं। सभी मामलों की जांच के लिए अलग-अलग जांच अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

महिलाओं से अमानवीय हरकत करने वालो को बख्शा नहीं जाएगा

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में रायगढ़ पुलिस सख्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है। महिला पुलिसकर्मी से अमानवीय हरकत करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

सरकार ने जारी आईएफएस अफसरों की ट्रांसफर लिस्ट

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। पांच आईएफएस अफसरों की ट्रांसफर लिस्ट राज्य शासन ने जारी की है। सूची को छत्तीसगढ़ वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अवर सचिव डीआर चंद्रवंशी ने जारी किया है। इसक्रम मे विवेकानंद झा भा.व.से. (2009), वन संरक्षक, (प्रशासन / राजपत्रित एवं समन्वय) व अतिरिक्त प्रभार वन संरक्षक (प्रशा/अराजपत्रित) कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक व वन बल प्रमुख, अरण्य भवन नवा रायपुर को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ वन संरक्षक, एफएमआईएस मण्डल, रायपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सतोविशा समाजदार भा.व.से. (2010) प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) व क्षेत्र निदेशक उदंती-सीतानदी टायगर रिजर्व, रायपुर तथा अतिरिक्त प्रभार वन संरक्षक, एफएमआईएस मण्डल को प्रभारी मुख्य वन संरक्षक, (अनुसंधान विस्तार और एस.एफ.आर.टी.आई), रायपुर के पद पर पदस्थ किया गया है।गुरूनाथन एन. भा.व.से. (2012) वन संरक्षक (भूमि प्रबंधन एवं वन संरक्षण अधिनियम), कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, अरण्य भवन को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) व क्षेत्र निदेशक, उदंती-सीतानदी टायगर रिजर्व का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अभिषेक कुमार सिंह भा.व.से. (2009) प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) व क्षेत्र संचालक अचानकमार टाइगर रिजर्व बिलासपुर तथा अतिरिक्त प्रभार क्षेत्रीय महाप्रबंधक छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड बिलासपुर को क्षेत्रीय महाप्रबंधक छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड बिलासपुर के पद पर पदस्थ किया गया है।

प्रियंका पाण्डेय भा.व.से. (2012) वन उप संरक्षक (सतर्कता) कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, अरण्य भवन, नवा रायपुर अटल नगर को प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं क्षेत्र निदेशक अचानकमार टाइगर रिजर्व बिलासपुर के पद पर पदस्थ किया गया है।

संशोधन विधेयक के खिलाफ ट्रांसजेंडर समुदाय 30 मार्च को निकालेंगे रैली

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। ट्रांसजेंडर संशोधन विधेयक 2026 के विरोध में छत्तीसगढ़ ट्रांसजेंडर और नॉन-बाइनरी समुदाय 30 मार्च को सड़कों पर उतरेंगे। इस आंदोलन का उद्देश्य अपनी पहचान, अधिकार और गरिमा की रक्षा के साथ-साथ प्रस्तावित विधेयक के संभावित प्रभावों को लेकर सरकार और समाज का ध्यान आकर्षित करना है। समुदाय की ओर से शांतिपूर्ण रैली और प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है।

विधेयक कर सकता अधिकारों को प्रभावित

समुदाय का कहना है कि प्रस्तावित ट्रांसजेंडर संशोधन विधेयक 2026 कई अहम अधिकारों को प्रभावित कर सकता है। आरोप है कि यह विधेयक ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के स्व-पहचान के अधिकार को कमजोर करता है और ट्रांसमेन व नॉन-बाइनरी समुदाय की पहचान को पर्याप्त महत्व नहीं देता।

साथ ही, इसे बिना व्यापक सामुदायिक परामर्श के तैयार किया गया बताया जा रहा है।

समुदाय का यह भी कहना है कि यह सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों की भावना के अनुरूप नहीं है। समुदाय ने मांग की है कि इस विधेयक को दोबारा विचार के लिए समिति के पास भेजा जाए और इसमें ट्रांसजेंडर समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

बड़ी संख्या में जुड़ने की लोगों से की अपील

आयोजकों ने नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पहचान और अधिकारों की लड़ाई है। इस आंदोलन का नेतृत्व ट्रांसजेंडर अधिकार कार्यकर्ता विद्या राजपूत कर रही हैं। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। इसमें समुदाय के साथ-साथ नागरिक समाज की भागीदारी भी देखने को मिलेगी।

जागरूकता और एकजुटता का संकेत

यह आयोजन छत्तीसगढ़ में ट्रांसजेंडर समुदाय की बढ़ती जागरूकता और एकजुटता को दर्शाता है। आंदोलन केवल एक विधेयक के विरोध तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक बदलाव की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

एंटी करप्शन ब्यूरो ने रेंजर और डिप्टी-रेंजर 50 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

छ.ग. फ्रंटलाइन बिलासपुर। अचानकमार टाइगर रिजर्व के सुरही रेंजर और डिप्टी रेंजर को 50 हजार रिश्वत लेते बिलासपुर एंटी करप्शन ब्यूरो ने रंगे हाथ पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में पल्लव नायक (रेंजर) और मनीष श्रीवास्तव (डिप्टी रेंजर) शामिल हैं। दरअसल, दिसंबर 2025 में लोरमी राजघराने का बेटा और उसके साथी अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में हथियार लेकर घुसे थे। इस दौरान उन्होंने एयर गन से फायरिंग के साथ वीडियो बनाया था। रील वायरल होने के बाद वन विभाग ने उनके खिलाफ केस दर्ज कराया था।

इसी केस को जल्द निपटाने विभाग के अधिकारियों ने रिश्वत मांगी थी।एसीबी के डीएसपी अजितेश सिंह ने बताया कि, लोरमी निवासी अजीत कुमार वैष्णव ने एसीबी बिलासपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि, दिसंबर 2025 में वह अपने साथियों के साथ गाड़ी से अचानकमार टाइगर रिजर्व के सुरही रेंज में घूमने गया था। इस दौरान फायरिंग करते बनाया गया रील सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। वन विभाग ने उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए वाहन जब्त कर लिया था। वे करीब 18 दिन तक जेल में भी रहे।

जल्द चालान पेश करने के लिए मांगी रिश्वत जेल से छूटने के बाद शिकायतकर्ता केस में जल्द चालान पेश करने के लिए डिप्टी रेंजर मनीष श्रीवास्तव से मिला। आरोप है कि डिप्टी रेंजर ने चालान पेश करने में 4 से 5 लाख खर्च होने की बात कही और जब्त वाहन छोड़ने के लिए 70 हजार रुपए रिश्वत की मांग की।

रेस्टोरेंट में पकड़े गए रंगे हाथ

शिकायत सही पाए जाने के बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। 26 मार्च को शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किश्त देने के लिए मित्र मिलन रेस्टोरेंट भेजा गया। शिकायतकर्ता ने 50 हजार रुपए डिप्टी रेंजर को दिए, तभी एसीबी की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें पकड़ लिया।

मौके पर रेंजर पल्लव नायक भी मौजूद थे। एसीबी ने आरोपी मनीष श्रीवास्तव के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 और पल्लव नायक के खिलाफ धारा 7 और 12 के तहत कार्रवाई शुरू की है। आरोपी से 50 हजार रुपए की रिश्वत राशि बरामद कर ली गई है।

रिश्वत मांगने पर तुरंत उन्हें सूचना दें

पिछले 2 साल में एसीबी बिलासपुर की यह लगातार 45वीं ट्रैप कार्रवाई है। एसीबी ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी भी विभाग का लोकसेवक रिश्वत की मांग करता है तो उसकी सूचना तुरंत उन्हें दें, जिससे भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

मक्के के फसल के बीच लगाई थी अवैध गांजे की फसल

कोंडागांव। अवैध गांजे की खेती पर जिले के केशकाल विकासखंड क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। दो किसानों को पुलिस ने मक्के की फसल के बीच में अवैध रूप से गांजा तैयार करने के आरोप मे गिरफ्तार किया है। पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। इसके बाद पूरी फसल की जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि, यह पूरा प्रकरण कोंडागांव जिला के अंतर्गत स्थित केशकाल के ग्रामीण इलाके से सामने आया है। ग्राम स्तर पर मिली सूचना के बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर खेतों का निरीक्षण किया।

यहां मक्के की पंक्तियों के बीच गांजा के बड़े-बड़े पौधे छिपाकर लगाए गए थे। बता दें कि, इससे पहले दुर्ग, बलरामपुर और रायगढ़ जिले में अफीम की खेती पकड़ी गई थी। यहां तरबूज और ककड़ी की खेती के बीच करीब एक एकड़ में अफीम की खेती की गई थी।

बस्तर के नक्सल प्रभावित 8 जिलों के लिए अहम प्लानिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाक में नक्सवाद अब खात्मे की तरफ बढ़ रहा है। वहीं, सरकार नक्सल प्रभावित जिलों के विकास को लेकर नई प्लानिंग शुरू कर दी है। शुक्रवार को नक्सलवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में तीव्र, स्थायी एवं समावेशी विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए हैं।

गुंडागर्दी का अड्डा बना शाउमा विद्यालय भुनेश्वरपुर

छ.ग. फ्रंटलाइन रामानुजनगर। भुनेश्वरपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के गेट पर एक बार फिर से बाहरी व्यक्ति द्वारा स्कूली छात्र को खुलेआम धमकी देकर मारपीट किया गया।

पीड़ित के पिता बच्चे को लेकर थाना रामानुजनगर गये जहां थानेदार ने उन्हें समझाते हुए आजाक थाना सूरजपुर भेज दिया। आजाक थाना ने पीड़ित को श्रीनगर थाना से मुलाहिजा

के लिए कहते हुए वापस भेज दिया। जहां कार्यवाही चल रही है। पीड़ित के पिता ने बताया की 25 मार्च को उनका लड़का चंदन रवि परीक्षा देने विद्यालय पहुंचा तो आरोपी सिफतेन्द्र रजा उर्फ फंटूश पिता आरिफ मोहम्मद, ग्राम नारायणपुर ने रास्ता रोक कर जातिगत गाली देते हुए बोला तुम किस लड़की से बात करते हो।

इस बात को सुन रवि आवाक रह गया और बोला मैं किसी लड़की से बात नहीं करता हूं। अभी मेरा परीक्षा है मुझे जाने दो तब आरोपी पुनः जातिगत गाली देते हुए कहा ठीक है परीक्षा देकर निकलो मै आता हूं। चार बजे विद्यालय से पीड़ित बाहर निकला तो स्कूल चौक पर अपने साथियों के साथ मारपीट किया और जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में इस तरह की यह कोई पहली घटना नहीं है यहां हमेशा कुछ ना कुछ होता ही रहता है।

वृद्धा आश्रम में शरण लिए वृद्ध महिला पर पति ने किया हमला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। घरेलू मारपीट से तंग वृद्धा आश्रम में शरण लिए वृद्ध महिला पर उसके ही शराबी पति ने जानलेवा हमला कर गंभीर रुप से जख्मी कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शराबी पति के अत्याचार मारपीट कर घर से निकाल देने के बाद वृद्ध महिला मीरा सोनी 60 वर्ष ग्राम पलमा ने तिलसिवा वृद्धा आश्रम में पनाह लिया था। आश्रम में कुछ दिनों बाद आज उसका शराबी पति जीवन सोनी नशे के हालत में उससे मिलने वृद्धा आश्रम पहुंचा था और अपने साथ छुपाकर लाए गड़ासे से जानलेवा हमला कर दिया, वहां मौजूद आश्रम अधीक्षिका, सहायिका सहित अन्य बुजुर्गों में बीच बचाव कर आरोपी को पकड़ कर कमरे में बंद कर कोतवाली पुलिस को सूचना देकर घायल वृद्धा को जिला अस्पताल लाए जहां पर उसका उपचार किया जा रहा तो वही हमलावर को पुलिस ने वृद्धा आश्रम से पकड़ कोतवाली थाने ले आई है।

अधिवक्ता से दो लाख रूपये की उठाईगिरी

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के कटघोरा में बैंक ऑफबड़ौदा से पैसे निकालकर निकालकर जा रहा अधिवक्ता दिनदहाड़े उठाईगिरी का शिकार हो गया। चोरों ने बड़ी चालाकी से अधिवक्ता की गाड़ी से कुछ ही सेकंड में 2 लाख रुपये से भरा बैग पार कर दिया और फरार हो गए।

कुदरगढ़ में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखो श्रद्धालुओं ने किया पर्वतवासिनी मां बागेश्वरी का दर्शन

हवन,पूर्णाहुति, ज्वारा विसर्जन, कन्या पूजन और भंडारे के साथ चैत्र नवरात्र का हुआ समापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। हवन, पूजन, ज्वारा विसर्जन, कन्या पूजन और भंडारे के साथ शक्ति की आराधना के महापर्व चैत्र नवरात्र का शुक्रवार को समापन हुआ। नौ दिन तक गांव गांव से लेकर शहर तक माता भक्त आदिशक्ति की भक्ति में लीन रहे। जिले के प्रसिद्ध कुदरगढ़ देवीधाम, देवीपुर स्थित माँ महामाया देवी मंदिर, पम्पापुर स्थित माँ समलया मंदिर, महुली स्थित माँ गडवतिया देवी धाम, तिलसिवां स्थित दुर्गा मंदिर, गायत्री मन्दिर, पँचमन्दिर स्थित माँ दुर्गा मंदिर, गोपालपुर माँ दुर्गा मंदिर, जमडी स्थित दुर्गामंदिर सहित जिले के सभी शक्तिपीठो में नवरात्र पर विशेष पूजा अर्चन की गई। घर घर मे कलश स्थापना कर तो वहीं गांवों में स्थित देवल्ला में ज्वारा बोकर माता रानी की परंपरा के अनुसार विशेष पूजा अर्चना की गई। नौ दिनों तक चले शक्ति की आराधना पश्चात शुक्रवार को हवन पूजन पूर्णाहुति एवं कन्या पूजन तथा भंडारे के साथ नवरात्र का समापन किया गया। पूरे नौ दिनों तक देवी जसगीतो, धार्मिक आयोजनों की गूंज से जिले का वातावरण पूर्णरूपेण माता की भक्ति में लीन रहा। जिले के प्रसिद्ध कुदरगढ़ धाम में पर्वतवासिनी माँ बागेश्वरी देवी के दर्शन को श्रद्धालुओ का सैलाब उमड़ पड़ा था। बताया गया है कि कुदरगढ़ में प्रथम दिन से लेकर नवमी तिथि तक प्रदेश सहित देश के अन्य प्रांतों से करीब 6 लाख से ऊपर श्रद्धालु माँ बागेश्वरी के दर्शन व पूजा अर्चना के लिए पहुंचे थे। अष्टमी व नवमी को ही करीब 3 लाख श्रद्धालुओ ने माता रानी का दर्शन किया है। यहां अष्टमी व नवमी को माता भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा था, प्रात: 3 बजे से ही माता भक्तों की कतार लग गई थी जो पूरे दिन चलती रही। बच्चो से लेकर बुजुर्ग तक श्रद्धा और उत्साह के साथ जय माता दी के गगन भेदी जयकारे लगाते हुए करीब नौ सौ सीढ़ी का सफर

तय कर माँ बागेश्वरी के दर्शन किये। यहां परंपरा के अनुसार भव्य मेला का भी आयोजन किया गया तो वहीं कुदरगढ़ महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन के दौरान होने वाले कार्यक्रमों व खेल प्रतियोगिताओं ने भी श्रद्धालुओं का मनोरंजन किया। यहां 11 सौ से ऊपर मनोकामना ज्योति कलश भी श्रद्धालुओं के द्वारा प्रज्ज्वलित कराए गए थे। जिला प्रशासन एवं कुदरगढ़ ट्रस्ट के द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत व्यापक व्यवस्थाएं की गई थी तो वहीं सहित श्रद्धालुओ की सुविधाओं में धार्मिक एवं समाजसेवी संस्थाओं ने भी बढ़ चढ़ कर सहयोग किया ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि नवरात्र के पश्चात भी यहां करीब 15 दिनों तक प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु माँ बागेश्वरी के दर्शन हेतु पहुंचते है। श्रद्धालुओं की बड़ी तादात को देखते हुए इस वर्ष सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। नवरात्र की तरह ही पूरे 15 दिनों तक चाक चौबंद सुरक्षा व अन्य सुधाएँ मुहैय्या कराई जाएगी। यहां नवरात्र पर सोने चांदी के आभूषणों सहित अनुमान के मुताबिक करीब 50 लाख से ऊपर के चढ़ावा श्रद्धालुओ ने माता को अर्पित किया है।

2 लाख लोगों ने किया माँ महामाया का दर्शन

देवीपुर स्थित माँ महामाया देवी मंदिर में नवरात्र पर करीब 2 लाख से ऊपर श्रद्धालुओं ने माँ महामाया का दर्शन कर पूजा अर्चना किया है। यहां पर भी प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हजारों की संख्या में माता भक्तों ने मनोकामना ज्योति प्रज्वलित कराया था। यहां माँ महामाया समिति एवं ज्वारा समिति के द्वारा ज्योति कलश प्रज्वलन कराकर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। बताया गया है कि माँ महामाया के दर्शन व हेतु नवरात्र पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में माता भक्त पहुंच रहे थे। अनुमान के अनुसार यहां नवरात्र में दो लाख से ऊपर श्रद्धालु दर्शन व पूजन के लिए पहुंचे थे। यहां पर भी नवरात्र पर मेला का आयोजन पूर्व की भांति इस वर्ष भी हुआ था। इसी प्रकार पम्पापुर स्थित माँ समलया मंदिर, महुली स्थित माँ गडवतिया देवी धाम, तिलसिवां स्थित दुर्गा मंदिर, गायत्री मन्दिर, पँचमन्दिर स्थित माँ दुर्गा मंदिर, गोपालपुर माँ दुर्गा मंदिर, जमडी स्थित दुर्गामंदिर सहित जिले के सभी शक्तिपीठो में नवरात्र पर माता भक्तों का सैलाब उमड़ा था।

गांव गांव में बही भक्ति की बयार

परंपरानुसार जिले के सभी गांवों में स्थित देवालयों में परंपरागत वाद्य यंत्रों की धुन के साथ ज्वारा बोकर विशेष पूजा अर्चना की गई। जिससे समूचे गांवों में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। पूरे नौ दिन देवी जस गीतों की धूम रही तो कई गांवों में बाहर से आये हुए कलाकारों के द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई।

नवमी तिथि पर गांवों में ज्वारा व खप्पर यात्रा निकाली गई जो घर घर पहुंची जहां लोगो ने भक्तिमय वातावरण में हवन पूजन आदि किया। गांव व नगर भ्रमण पश्चात ज्वारों का विसर्जन किया गया। नौ दिनों के इस धार्मिक आयोजन से जिले का गांव गांव माता दाई की भक्ति में लीन रहा।

कांग्रेस जांच दल का आरोप : नाबालिगों के साथ दुष्कर्म पर कोई कार्रवाई नहीं

बीजापुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिले के गंगालूर सरकारी पोर्टा केबिन कन्या छात्रावास से जुड़े गंभीर मामले की जांच हेतु कांग्रेस द्वारा गठित 9 सदस्यीय स्तरीय जांच दल ने 18 मार्च को गंगालूर स्थित छात्रावास का दौरा किया और स्थानीय ग्रामीणों, पीड़ितों के परिजनों, अधीक्षक, शिक्षकों तथा कर्मचारियों से विस्तृत जानकारी ली।

जांच दल ने पाया कि पीड़ित छात्राएं नियमित रूप से सरकारी स्कूल में पढ़ती थीं, पोर्टा केबिन छात्रावास में रहती थीं और माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाओं में भी नियमित छात्र के रूप में शामिल हुई थीं। जांच दल ने उपस्थिति पंजी का निरीक्षण किया जिसमे सफेदा लगाकर उपस्थित को अनुपस्थित किया गया, जांच दल ने यह भी पाया कि वर्तमान अधीक्षिका पोर्टा कबीन आश्रम के अलावा प्री-मैट्रिक छात्रावास की भी अधीक्षिका है। पीड़ित छात्राओं को नियमित स्कालरशिप मिलता है। जाँच समिति को यह भी जानकारी दी गई कि जब छात्राएं स्कूल नहीं आ रही थी तो उन्हें किसी ने भी स्कूल नहीं आने के कारणों का पता लगाने का प्रयास भी नहीं किया गया है।

जाँच दल ने कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, डीएमसी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी बीजापुर से मुलाक़ात कर वस्तुस्थिति को जाना।

वहीं जाँच दल ने जिला शिक्षा अधिकारी लखन लाल धनेलिया के 15 मार्च के बयान पर तीखी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि छात्राएं अब छात्रावास में अध्ययनरत/ निवासरत नहीं हैं और मीडिया रिपोर्ट्स भ्रामक एवं गुमराह करने वाली हैं। दल ने इसे झूठा और जिम्मेदारी से बचने का स्पष्ट प्रयास करार दिया।

जांच दल ने आरोप लगाते हुए कहा कि नाबालिग बच्चों के साथ हुए दुष्कर्म पर अब तक किसी आरोपी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि सरकार को आदिवासी बच्चों की कोई चिंता नहीं है। प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनने के बाद से आदिवासी बच्चे लगातार प्रताड़ित हो रहे है। स्कूलों, आश्रम शालाओं और छात्रावासों में आदिवासी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। आए दिन दुष्कर्म जैसी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन अपराधी बेखौफ बच निकलते हैं। गंगालूर के मामले को भी रफा-दफा करने की कोशिश की जा रही है। दल ने स्थानीय लोगों से बातचीत में छात्रावास में निगरानी की भारी कमी, मासिक स्वास्थ्य जांच न होना और बाहरी लोगों की अनियंत्रित आवक-जावक पर गंभीर चिंता जताई।

जाँच दल ने 1. गंगालूर पोटा केबिन में पिछले 6 महीनों के सभी बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण रिपोर्ट की जांच करने । 2. पिछले 6 महीनों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच करने। 3. पिछले 6 महीनों की स्कॉलरशिप वितरण की जांच करने। और 4. पिछले 6 महीनों में पोर्टा केबिन में कौन-कौन मिलने आया करता था, उस विजिटर पंजी की जांच करने की मांग प्रमुखता से रखी है।

साथ ही कांग्रेस जाँच दल ने यह भी कहा है कि यदि ये जांचें नहीं हुईं और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी जनसहयोग से आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन छेड़ेगी। जांच दल में संयोजक मंगमा (अध्यक्ष, जिला पंचायत सुकमा) के नेतृत्व में नीना रावतीय उद्दे (पीसीसी महामंत्री) सुलोचना कर्मा (सदस्य, जिला पंचायत दंतेवाड़ा) गीता कवासी (सदस्य, जिला पंचायत सुकमा), बबिता मंडावी (पूर्व अध्यक्ष, नगर पंचायत दोरनापाल) पार्वती कश्यप (पूर्व जिला पंचायत सदस्य, बीजापुर), अनिता तेलम (पूर्व अध्यक्ष, जनपद पंचायत उसूर), रिंकी कोरम (अध्यक्ष, नगर पंचायत भोपालपटनम) और पायल हेमला (सरपंच, गंगालूर) शामिल थे। जाँच दल ने कहा कि घटना की विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को सौंपी जाएगी। जाँच दल के साथ जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस और महिला कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

घर-घर स्वास्थ्य सेवाएं, हर जरूरतमंद तक पहुंच रही योजनाएं

सुकमा, छ.ग. फ्रंटलाइन। सुकमा जिले के दूरस्थ अंचलों में शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में कोंटा विकासखंड के ग्राम पंचायत निर्मलगुड़ा (स्कूल पारा) में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसने ग्रामीणों को बड़ी राहत प्रदान की। शिविर के दौरान स्वास्थ्य अमले ने घर-घर सर्वे कर ग्रामीणों का शुगर, बीपी एवं हीमोग्लोबिन (एचबी) परीक्षण किया। साथ ही टीबी, कुष्ठ (लेप्रोसी) और मोतियाबिंद जैसे गंभीर रोगों के संभावित मरीजों की पहचान कर आवश्यक जानकारी एकत्र की गई।

घर में घूसकर तोड़फोड़ व मारपीट करने वाले 6 गिरफ्तार

रायगढ़, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के सत्तीगुड़ी चौक के आगे मस्तागली में एक घर में घुसकर मारपीट एवं तोड़फोड़ करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया और गैरजमानतीय धाराओं में रिमांड पर भेजा है।

बता दें कि 15 मार्च को प्रार्थी सुखदेव मंडल पिता स्व. अशोक मंडल उम्र 39 वर्ष निवासी मस्तागली सत्तीगुड़ी चौक रायगढ़ द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 14 मार्च की रात करीब 11:35 बजे जब वह घर में सो रहे थे, उसी दौरान 3 अज्ञात युवक जबरन दरवाजा खोलकर घर के अंदर घुस आए और स्टाफ से गुलदस्ता मांगने लगे। मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौच शुरू कर दी। शोर सुनकर प्रार्थी नीचे आए और समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी आक्रोशित होकर गाली-गलौच, धक्का-मुक्की करते हुए घर के दरवाजों में तोड़फोड़ करने लगे तथा अपने अन्य साथियों को बुलाकर मारपीट पर उतारू हो गए। आसपास के लोगों के एकत्रित होने पर आरोपी घर से कूदकर फरार हो गए। मामले में एक आरोपी का नाम कुन्नू निवासी राजीवनगर रायगढ़ ज्ञात होने पर थाना कोतवाली में धारा 296, 331(4), 351(3), 324, 2 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी देवसिंह चौहान को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपने 5 अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। इसके आधार पर प्रकरण में बलवा की धारा 191(2) बीएनएस जोड़ी गई।

पुलिस द्वारा आरोपी देवसिंह चौहान (26 वर्ष), आशीष सिंह ठाकुर (24 वर्ष), आदित्य श्रीवास (25 वर्ष), देवकुमार चौहान (20 वर्ष), जयकिशन यादव (23 वर्ष) एवं साहिल सिंह ठाकुर (21 वर्ष) सभी निवासी रायगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें रिमांड पर भेजा गया है।

1 से भौतिक चालान समाप्त, ई- चालान मॉड्यूल से होगा भुगतान

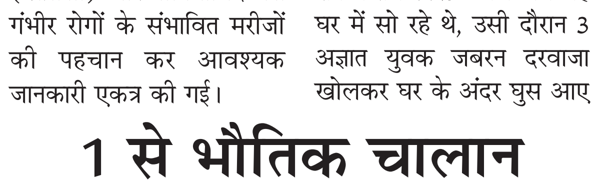

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ई-कोष पोर्टल छत्तीसगढ़ के अंतर्गत ई-चालान मॉड्यूल के माध्यम से ओ.टी.सी. चालान जमा करने हेतु शुक्रवार को जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में जिला कोषाधिकारी के उपस्थिति में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य शासन द्वारा भौतिक चालानों की प्रचलित व्यवस्था को पूर्णत: समाप्त करते हुए ऑनलाइन माध्यम से चालान जमा करने की नई प्रणाली लागू की जा रही है। इसके तहत ओ.टी.सी.सुविधा 1 अप्रैल से प्रभावशील होगी। प्रशिक्षण में समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों च्वाईस सेंटर संचालकों एवं स्टाम्प वेण्डरों को शामिल किया गया। उन्हें ई-चालान मॉड्यूल के उपयोग, ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया तथा ओ.टी.सी. के माध्यम से चालान जमा करने की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि नई ऑनलाइन व्यवस्था से चालान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध होगी। साथ ही, कागजी कार्यवाही में कमी आने से कार्य निष्पादन में भी तेजी आएगी।

26 साल पुराने गृह निर्माण ऋण गबन मामले में 26 साल से फरार दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 26 साल पुराने गृह निर्माण ऋण गबन मामले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने लंबे समय से फरार आधुनिक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रायपुर के तत्कालीन अध्यक्ष थावरदास माधवानी और सहकारी आवास संघ मर्यादित रायपुर के तत्कालीन आवास पर्यवेक्षक बसंत कुमार साहू को गिरफ्तार कर आज न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दोनों आरोपियां को 25 मार्च तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

बता दें कि ईओडब्ल्यू में दर्ज अपराध क्रमांक 19/2000 के अनुसार, वर्ष 1995 से 1998 के बीच जरूरतमंद लोगों के लिए संचालित सरकारी आवासीय योजना के नाम पर बड़ा घोटाला किया गया। जांच में सामने आया कि 186 लोगों के नाम पर 1-1 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। कुल मिलाकर 1 करोड़ 86 लाख रुपये की राशि जारी की गई। हालांकि बाद में किए गए भौतिक सत्यापन में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच में पता चला कि जिन स्थानों रायपुरा और पंडरीकांचा पर मकान निर्माण दिखाया गया था, वहां न कोई मकान मिला न ही कथित लाभार्थी मौजूद पाए गए। इससे साफ हुआ कि पूरी योजना कागजों में ही संचालित की गई थी। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपियों ने कूटरचित दस्तावेज तैयार किए, फर्जी प्रमाण पत्र लगाए और आपराधिक षड्यंत्र के तहत ऋण स्वीकृत कराए। बिना किसी वास्तविक जांच के ऋण वितरित कर दिए गए और बाद में उपयोगिता प्रमाण पत्र भी जारी कर दिए गए। मामले में कुल चार लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था जिनमें से दो अन्य आरोपी की मृत्यु हो चुके हैं, जिससे जांच की दिशा और जटिल हो गई है। ईओडब्ल्यू के अनुसार, गिरफ्तार दोनों आरोपी लंबे समय से फरार थे। नोटिस तामील होने के बावजूद वे अपने पते पर नहीं मिल रहे थे। फिलहाल आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो मामले की गहराई से जांच कर रहा है।

शताब्दी वर्ष में छत्तीसगढ़ प्रांत के 30 लाख से भी अधिक घरों में हुआ गृहसंपर्क अभियान

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के पश्चात छत्तीसगढ़ क्षेत्र संचालक ने जागृति भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का 13, 14 एवं 15 मार्च को माधव श्रृष्टि सवालखा हरियाणा में सम्मेलन सम्मपन्न हुआ। जिसमें संत शिरोमणि सतगुरू संत रविदास के 650 प्राकट्य उत्सव पर देश भर से 1438 प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें क्षेत्र, प्रांत, टोली कार्यविभागों के क्षेत्र प्रमुख विभाग प्रचारक एवं अन्य सदस्य शामिल हुए। संघ के सर्वोच्च पदाधिकारी टोप लाल वर्मा एवं प्रांतीय सरसंचालक डॉ. पुर्णेन्दु सक्सेना ने संयुक्त रूप से पत्रकारवार्ता में बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष में संघ के संविधान में भी परिवर्तन हुआ है। देश में 924 जिलों में 6602 खंडों में 6127 खंड शाखायुक्त हैं। इस वर्ष शाखायुक्त मंडलों की संख्या में 1535 की वृद्धि हुई। वर्तमान में 32305 मंडल तथा 2523 नगर शाखायुक्त है। देशभर में कुल 55683 स्थानों पर 40800 विद्यार्थी और महाविलयीन शाखा में 88949 शाखा है। कार्यकर्ताओं द्वारा 32606 साप्ताहिक मिलन एवं 13211 संघ मंडली संचालित की जा रही है। देश भर में 38081 सेवा बस्तियों में से 9576 खाशायुक्त सेवा बस्तियां हैं। देश भर में कुल 105 शिक्षावर्ग और कार्यकर्ता विकासवर्गो में 21526 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ में 34 जिलों में 1643 स्थानों में 2188 शाखा लग रही है। टोपलाल वर्मा ने पत्रकारवार्ता में बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर 100 वर्ष के कार्यों का लेखा जोखा हेतु गृहसंपर्क अभियान चलाया गया जिसमें 37 प्रांतों के 389465 ग्रामों और 31143 बस्तियों के 10 करोड़ से अधिक घरों में संपर्क किया जा चुका है। 11 प्रांतों में संपर्क अभियान चल रहा है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

‘भये प्रकट कृपाला दीनदयाला कौशल्या हितकारी’

गर्भगृह का पट खुलते ही हुआ शंखनाद, जय श्रीराम से गूंजा मंदिर परिसर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। चैत्र नवरात्रि के अंतिम दिन शुक्रवार को मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव शहर के प्राचीन राम मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा था। भक्तों को भगवान श्री राम के जन्मोत्सव समय का इंतजार था। इसी क्रम में शहर के 96 वर्ष पुराने प्रभु श्री राम के मंदिर में शुक्रवार को परंपरा अनुसार राजपरिवार की प्रथम पूजा के साथ रामनवमी का पर्व पूरी आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। सरगुजा राजपरिवार के मानद युवराज आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने पूजा उपरांत दोपहर ठीक 12 बजे मंदिर के गर्भगृह का पट महंत प्रणव मुनि के मौजूदगी में खोला और प्रकटोत्सव की शुरुआत की। इसके साथ ही शंखनाद व ढोल नगाड़े की गूंज होने लगी। मंदिर परिसर के बाहर तक एकत्र भक्त जय श्री राम का उद्घोष करने लगे। भगवान श्री राम, माता सीता व लक्ष्मण का एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु लालायित नजर आ रहे थे।

बता दें कि वर्ष 1930 में पूर्व महाराज स्व. मदनेश्वर शरण सिंहदेव के जन्म पर तत्कालीन सरगुजा रियासत के महाराज स्व. रामानुज शरण सिंहदेव ने प्रभु श्री राम के मंदिर का निर्माण कराया था। 90 के दशक में अमरकंटक के कल्याण बाबा के अनुरोध पर पूर्व महाराज स्व. मदनेश्वर शरण सिंहदेव एवं महारानी स्व. देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव ने श्री राममंदिर को कल्याण आश्रम को दान में दे दिया था। महारानी स्व. देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव आजीवन इस मंदिर के ट्रस्ट की ट्रस्टी रहीं। रामनवमी के दिन शहर के इस प्रचीन राममंदिर में परंपरा रही है कि सरगुजा महाराज या उनके प्रतिनिधि के द्वारा प्रथम पूजा की जाती है एवं गर्भगृह का पट खोला जाता है। रामनवमी के मौके पर दोपहर 12 बजे श्री राम मंदिर में पूजा एवं गर्भगृह के पट को खोलने के उपरांत आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने उपस्थित सभी नागरिकों को रामनवमी की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रियासतकाल से सरगुजा राजपरिवार की पारिवारिक परंपरा सनातन धर्म की रही है, लेकिन नीति के रुप में परिवार सर्वधर्म सद्भाव पर यकीन करता है। सर्वधर्म सद्भाव के साथ ही परिवार सरगुजा के आदिवासी संस्कृति के परंपराओं को भी अपने पूजा पद्धति में समावेश करता है। उन्होंने कहा कि चाहे रामनवमी में प्रभु श्री राम के मंदिर की प्रथम पूजा हो या नवरात्रि में मां महामाया मंदिर में संधि पूजा हो सरगुजा राजपरिवार अपने परिवार के इन सनातनी परंपराओं को पूर्ण करने के लिए कृत संकल्पित है। रामनवमी की पूजा के उपरांत उन्होंने राजपरिवार की ओर से राममंदिर परिसर में आयोजित भंडारे को भी प्रारंभ किया और श्रद्धालुओं को भंडारे के प्रसाद का वितरण किया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, मधु दीक्षित, विनीत विशाल जायसवाल, जीवन यादव, अमित तिवारी राजा, गुरुप्रीत सिद्धू,नरेन्द्र विश्वकर्मा, चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, अमित सिन्हा, नितिश चौरसिया, उत्तम राजवाड़े, शुभम जायसवाल, शुभेन्दु घोष, संजर नवाज, आयुष सिन्हा, आकाश यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

देवी मंदिरों में अंतिम दिन उमड़ा भक्तों का सैलाब

चैत्र नवरात्रि के अंतिम दिन नवमी के अवसर पर शुक्रवार को नगर सहित जिले भर में दुर्गा मंदिरों, देवी धामों में जगत जननी की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े। सरगुजा की आराध्य मां महामाया मंदिर अंबिकापुर में पूरे दिन पूजा का दौर चलता रहा। सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं की कतार मंदिर में लगी रही। मां के दर्शन के लिए लोग कतार में खड़े होकर घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहे। नौ दिन तक व्रत रखने वाले भक्तों ने नवमी के हवन-पूजन कर पूर्णाहुति दी। मां महामाया मंदिर, मां समलाया मंदिर, मां दुर्गा शक्तिपीठ गांधी चैक, संत हरकेवल मंदिर, काली मंदिर, रघुनाथपुर मंदिर, शीतला मंदिर, मां काली मंदिर सहित शहर के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने श्रद्धा अर्पण किया। देवी मंदिरों व घरों में भक्तों ने चैत्र नवरात्रि के समापन अवसर पर कन्या भोज का आयोजन भी किया था।

गाल-जीभ को बाना से भेदकर निकले भक्त

रामनवमी के मौके पर शहर के घुटरापारा से काफी संख्या में महिला-पुरूष मुंह में बाना घोंपकर निकले। जबह-जगह भक्तों ने इनका आर्शीवाद लेकर श्रद्धा अर्पण किया। हर चैत्र नवरात्रि को घुटरापारा से मुंह, जीभ में बाना भेदकर माता के भक्त मायापुर के चांदनी चैक से रामानन्द सिंह के यहां से निकलते हैं। करीबन सात दशक से यह सिलसिला चल रहा है। कई श्रद्धालु इस मौके पर पूरे नौ दिन उपवास रहकर माता की आराधना में लीन रहते हैं। पूरे नवरात्रि भर भक्तिभाव से मातारानी की आराधना के बाद भव्य बाना यात्रा निकलती है, जो मां महामाया मंदिर में संपन्न होती है। इन भक्तों के पहुंचने के बाद कुछ देर के लिए मंदिर परिसर का माहौल बदल जाता है। गाल और जीभ में बाना भेदने को भक्त माता का आशीर्वाद मानते हैं।

संगठन सृजन अभियान अंतर्गत रघुनाथ मंडल की बैठक, बूथ कमेटियों का गठन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संगठन सृजन अभियान अंतर्गत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अंबिकापुर के रघुनाथ मंडल में वार्ड एवं बूथ कमेटियों के गठन को लेकर इस मंडल के प्रभारी आदित्येश्वर शरण सिंहदेव की उपस्थिति में महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में मंडल के रामानुज वार्ड के साथ ही इस वार्ड के मतदान केन्द्र क्रमांक 155 एवं 157 के बूथ कमेटियों का भी गठन किया गया। रामानुज वार्ड की पूर्व पार्षद पूर्णिमा सिंह को वार्ड कमेटी का अध्यक्ष चुना गया है। इस बैठक में लिए गए एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत बूथ क्रमांक 157 के अनुभाग पैलेस पारा के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को अनुभाग प्रभारी नियुक्त किया गया है। अंबिकापुर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अंतर्गत कुल 10 मंडलों का गठन किया गया है, जिनमें रघुनाथ मंडल के अंतर्गत कुल 14 मतदान केंद्र और 4 वार्ड आते हैं। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश अनुसार 30 मार्च तक सभी बूथ एवं वार्ड में कमेटियों का गठन होगा। बैठक में आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत अंबिकापुर शहर के 140 बूथों पर बूथ और वार्ड कमेटियों और अनुभाग प्रभारियों के रूप में लगभग साढ़े तीन हजार जमीनी कार्यकर्ताओं की फौज तैयार करने का लक्ष्य है। इसके अलावा सभी कमेटियों में महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, एन एस यू आई, सेवादल की मजबूत टीम तैयार करने का लक्ष्य है। होटल मधुबन में आयोजित इस बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल, रघुनाथ मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिंह, प्रशांत सिंह चीकू, शैलेंद्र प्रताप सिंह, अनूप मेहता, जमील खान, जीवन यादव, राकेश सिन्हा, देवा चौहान, दिनेश कुमार शर्मा, मेघा खांडेकर, आरती महंत, तृप्तराज सिंह धंजल, मुखचंद जायसवाल, शुभेंदु घोष, ऋषभ सिंह, नरेन्द्र सिंह, अमित कुमार सिंह, नेहा राजपूत, निधि सिन्हा, साधना जायसवाल, शशिकांत ठाकुर, रंजीत सारथी, चंद्रकांत सारथी, रविशंकर तिवारी, प्रशांत श्रीवास्तव, नितिन तिर्की सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सायकल से गिरकर जख्मी हुए वृद्ध की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सायकल से गिरकर घायल हुए वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के स्वजन ने बताया कि रायगढ़ जिला के कापू थाना अंतर्गत ग्राम पखनाटोली निवासी भीम 65 वर्ष सायकल से धरमजयगढ़ गया था। वापस आते समय रास्ते में गिरकर जख्मी हो गया। इसके बाद वृद्ध घर में ही था। 25 मार्च को पुनः तबियत बिगड़ने पर स्वजन उसे पत्थलगांव स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, यहां से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे। इलाज के दौरान 27 मार्च को दोपहर 12 बजे वृद्ध दम तोड़ दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

युवती फांसी लगाकर खुदकुशी की

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला के रघुनाथपुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सुमेरपुर चेंद्रा निवासी हेमा यादव पिता प्रमोद पटेल 21 वर्ष, फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया मृतिका 24 मार्च को अज्ञात कारणों से फांसी पर झूल गई थी। स्वजन उसे फांसी से उतारकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 26 मार्च को रात 10 बजे युवती की मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

डीलिस्टिंग की मांग और जनजातीय अस्मिता का प्रश्नः गर्जना रैली 24 मई को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत में आरक्षण केवल एक संवैधानिक प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की वह व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य ऐतिहासिक रूप से वंचित, उपेक्षित और शोषित वर्गों को मुख्यधारा में लाना है। समय के साथ इस व्यवस्था के दुरुपयोग के आरोप भी सामने आए हैं, विशेषकर धर्मांतरण और आरक्षण के संबंध में। इसी संदर्भ में जनजाति सुरक्षा मंच के नेतृत्व में 24 मई 2026 को नई दिल्ली में प्रस्तावित ‘गर्जना रैली’ एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनती जा रही है। इस रैली का मूल उद्देश्य ‘डीलिस्टिंग’ की मांग को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना है। डीलिस्टिंग का आशय ऐसे व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) की सूची से बाहर करना है, जिन्होंने धर्म परिवर्तन कर लिया है और अब वे उस मूल सांस्कृतिक-सामाजिक ढांचे का हिस्सा नहीं रहे, जिसके आधार पर उन्हें आरक्षण प्रदान किया गया था। जनजाति सुरक्षा मंच का मत है कि ‘जो जिस मूल सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान में जन्मा है, आरक्षण का लाभ भी उसी आधार पर मिलना चाहिए।’ यह मांग केवल कानूनी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक

अस्मिता, परंपरा और सामाजिक न्याय से जुड़ा हुआ विषय बन चुका है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से बढ़ी उम्मीदें

हाल ही में भारत का सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति के संदर्भ में दिया गया निर्णय इस बहस को नई दिशा देता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि धर्म परिवर्तन के पश्चात व्यक्ति उस सामाजिक ढांचे से बाहर हो सकता है, जिसके आधार पर उसे आरक्षण का लाभ मिला था। यद्यपि यह निर्णय अनुसूचित जाति तक सीमित है, लेकिन इससे जनजातीय समाज में भी एक नई आशा जगी है कि भविष्य में यही सिद्धांत अनुसूचित जनजाति पर भी लागू किया जा सकता है।

एक जटिल वास्तविकता यह भी

भारत का जनजातीय समाज सदियों से अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली के लिए जाना जाता रहा है। किंतु विभिन्न क्षेत्रों में यह आरोप बार-बार सामने आते रहे हैं कि, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक प्रलोभनों के माध्यम से धर्मांतरण कराया जाता है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में सामाजिक असुरक्षा का लाभ उठाया जाता है। बाहरी संस्थाओं द्वारा सांस्कृतिक हस्तक्षेप किया जाता है। इन परिस्थितियों में यह प्रश्न और प्रासंगिक हो जाता है कि क्या धर्म परिवर्तन के बाद भी व्यक्ति वही सामाजिक वंचना झेल रहा है, जिसके आधार पर उसे आरक्षण दिया गया था?

गर्जना रैली एक सामाजिक चेतना का उभार

नई दिल्ली में प्रस्तावित यह रैली केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक चेतना का प्रतीक बनती जा रही है। इसमें देशभर से जनजातीय प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और चिंतक शामिल होकर यह संदेश देना चाहते हैं कि, आरक्षण का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंचे। सांस्कृतिक पहचान और परंपरा की रक्षा हो। धर्मांतरण के माध्यम से हो रहे कथित दुरुपयोग पर रोक लगे। यह रैली सरकार और न्यायपालिका दोनों के लिए एक स्पष्ट संकेत है कि जनजातीय समाज अब अपने अधिकारों और अस्मिता को लेकर सजग और संगठित हो चुका है।

न्यायपालिका से अपेक्षाएं

इस पूरे विमर्श के केंद्र में अब यह अपेक्षा उभरकर सामने आ रही है कि भारत का सर्वोच्च न्यायालय स्वयं इस विषय पर संज्ञान लेकर अनुसूचित जनजाति में धर्मांतरण और आरक्षण के संबंध का अध्ययन करे, और स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करे। आरक्षण नीति की मूल आत्मा की रक्षा सुनिश्चित करे। डीलिस्टिंग की यह मांग केवल एक नीति परिवर्तन नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक ताने-बाने, सांस्कृतिक अस्मिता और संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास है। यदि इस विषय पर संतुलित, न्यायसंगत और संवेदनशील निर्णय लिए जाते हैं, तो यह न केवल आरक्षण व्यवस्था को सशक्त करेगा, बल्कि जनजातीय समाज के आत्मसम्मान और विश्वास को भी नई मजबूती प्रदान करेगा। 24 मई 2026 की गर्जना रैली को इसी परिवर्तन की दिशा में एक निर्णायक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

मुजफ्फरनगर में सरगुजा की बेटियों ने नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन सरगुजा जिले की बेटियों ने 38वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करके कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में आयोजित की गई, जहां छत्तीसगढ़ की बालिका टीम ने अपने जुझारू खेल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सेमीफाइनल में पंजाब के खिलाफ 24-17 से हार मिलने के बावजूद टीम ने हिम्मत नहीं हारी, और पांडीचेरी को संघर्षपूर्ण मुकाबले में शिकस्त देकर तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में छत्तीसगढ़ टीम ने बेहद कड़े संघर्ष के बाद पांडीचेरी को पराजित कर कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में सरगुजा जिले से बालिका वर्ग में सिमरन भगत एवं रुद्राक्षी जैन का चयन छत्तीसगढ़ टीम में हुआ था। सिमरन माउंट लिट्रा जी स्कूल एवं रुद्राक्षी मोंटफोर्ट स्कूल अंबिकापुर में अध्यनरत है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से जिले का नाम रोशन किया। संघ के सचिव रजत सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास गांधी स्टेडियम स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में कराया जाता है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों का चयन प्रदेश टीम में हुआ था। राष्ट्रीय प्रतियोगिता से पूर्व जांजगीर के खोखरा में आयोजित 10 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस उपलब्धि पर संघ के के.पी सिंह, गौरव सिंह, सौरभ सिन्हा, हिंमाशु जायसवाल, नेहा सिंह, खुशबू गुप्ता समेत सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ परिवार व स्कूल के प्राचार्य ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा पदों पर भर्ती परीक्षा के परिणाम जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न संविदा पदों पर भर्ती हेतु आयोजित परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। जिले में स्वीकृत मानव संसाधन (सेवा प्रदाता एवं कार्यक्रम प्रबंधकीय पद) आरओपी वर्ष 2025-26 के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु यह प्रक्रिया संचालित की जा रही है। 27 मार्च को आयोजित लिखित, कौशल एवं साक्षात्कार परीक्षा में विभिन्न पदों के लिए कुल 105 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिसमें प्रोग्राम एसोसिएट-पीएचएन के 08, सीनियर लैब टेक्निशियन के 04, फार्मासिस्ट के 25, लैब टेक्निशियन के 61 एवं काउंसलर के 07 पदों के लिए परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि परीक्षा परिणाम एवं उत्तर पुस्तिका जिले के वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर